आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 17 अंक 37- ● जबलपुर ● शुक्रवार, 10 मार्च, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● फाल्गुन शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2079 शके 19355

जर्मनी के हैम्बर्ग में चर्च में फायरिंग, 7 की मौत

हैम्बर्ग ,एजेंसी। उत्तरी जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में चर्च में गोलीबारी हो गई। स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम की इस घटना में अब तक 7 लोगों की मौत हो गई है। कई अन्य घायल हैं ।पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद बताया, हम केवल इतना जानते हैं कि यहां कई लोग मारे गए हैं। कई घायल हुए हैं, उन्हें अस्पतालों में ले जाया गया है ।गोलीबारी यहोवा के किंगडम हॉल में हुई। यह एक आधुनिक तीन मंजिला इमारत है, जो ऑटो मरम्मत की दुकान के पास स्थित है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को रात करीब सवा नौ बजे गोली चलने की सूचना मिली और वह तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई।

शी जिनपिंग तीसरी बार चुने गए चीन के राष्ट्रपति

बीजिंग, एजेंसी। शी जिनपिंग लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति चुन लिए गए हैं। लगातार तीसरी बार इस पद पर बने रहने वाले वे देश के पहले राष्ट्रपति हैं। शुक्रवार को चीन की संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के लगभग 3,000 सदस्यों ने सर्वसम्मति से शी जिनपिंग को राष्ट्रपति बनाने के लिए मतदान किया। रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग का एक बार फिर राष्ट्रपति बनना तय था, क्योंकि चुनाव में उनके सामने कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं हुआ था।

गैस चैंबर बने कोच्चि में लॉकडाउन जैसे हालात?

8 दिनों से सुलग रही आग ने नर्क किया जीवन?

■ नई दिल्ली, एजेंसी।

कोच्चि एजेंसी। केरल के कोच्चि शहर में इन दिनों सन्नाटा है। बहुत कम लोग ही सड़कों पर निकल रहे हैं। जो बाहर नजर आ रहे हैं उनके चेहरे पर मास्क लगा है। बच्चों और बूढ़ों को घर में पूरी तरह से कैद कर दिया है। केरल में लॉकडाउन जैसे हालात हैं। यह सब कोरोना वायरस को लेकर नहीं बल्कि यहां के एक डंपिंग यार्ड में आग लगने के बाद नजर आ रहा है। आग ब्रह्मपुरम इलाके में एक डंपिंग यार्ड में एक हफ्ते पहले लगी थी। 2 मार्च को ब्रह्मपुरम के डंपिंग यार्ड में लगी आग के बाद यह आग बढ़ती गई। जहरीला धुआं पूरे इलाके में फैल गया है। 8 दिनों से ज्यादा हो गए लोगों की जिंदगी नर्क बन गई है। इस जहरीले धुएं ने एर्नाकुलम में भी प्रवेश कर लिया है। कडवंतरा, व्याटिला, मराडु और पानमपल्ली इलाके में लोग घरों में कैंद होने के लिए मजबूर हो गए हैं। ब्रह्मपुरम और इसके आस-पास के इलाकों में हवा की गुणवत्ता खतरनाक गति से बिगड़ने के साथ, केरल सरकार ने इन क्षेत्रों के निवासियों से अनुरोध किया कि वे घर के अंदर रहें और खिड़कियां और दरवाजे खुले न रखें।केरल सरकार ने निवासियों को अपने घरों के बाहर जॉगिंग और व्यायाम जैसी गतिविधियों से बचने और बाहर जाने पर N95 मास्क का उपयोग करने की भी सलाह दी है। एर्नाकुलम जिला प्रशासन ने कलामस्सेरी मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सा अधिकारी (डीएमओ) के कार्यालय में 24 घंटे के नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए हैं, ताकि जनता संयंत्र से निकलने वाले धुएं के सांस लेने के कारण किसी भी कठिनाई का अनुभव होने पर कॉल कर सके। अधिकारियों ने कहा कि जनता मेडिकल कॉलेज कंट्रोल रूम को 8075774769 या डीएमओ कंट्रोल रूम को 0484 2360802 पर कॉल कर सकती है।

200 फायर बिग्रेड की गाड़ियां लगीं?

केरल फायर एंड रेस्क्यू फोर्स अब ब्रह्मपुरम में लगभग 200 अग्निशामकों के साथ एक अद्वितीय मिशन में लगी हुई है। कन्नूर से तिरुवनंतपुरम तक 24 घंटे के लिए दो पारियों में आग बुझाने में लगे हुए हैं। अग्निशमन सेवा के सूत्रों ने कहा कि 70 प्रतिशत क्षेत्र में आग लगने से सुलगता प्लास्टिक कचरा बुझा दिया गया है और शेष 30 प्रतिशत क्षेत्र में धुआं बुझाने का काम चल रहा है।

स्कूल-कॉलेज बंद, घरों में बंद हुए लोग, N95 मास्क लगाने का आदेश

हाईकोर्ट ने लगाई फटकार?

केरल हाई कोर्ट ने एर्नाकुलम जिला कलेक्टर को ब्रह्मपुरम अपशिष्ट संयंत्र में हुई आग की घटना पर शुक्रवार को एक व्यापक हलफनामा प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति सी जयचंद्रन की खंडपीठ ने अधिवक्ता हरिशंकर एन उन्नी के माध्यम से पल्लुरुथी के राजेश पी की दायर जनहित याचिका (डब्ल्यूपी-सी संख्या 8119/23) पर विचार करने के बाद यह निर्देश जारी किया। जनहित याचिका में राज्य सरकार, केरल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एर्नाकुलम जिला कलेक्टर, कोच्चि निगम, केंद्र सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के जिला पर्यावरण अभियंता को विपरीत पक्षों के रूप में नामित किया है।

अस्पतालों में अलर्ट, 24 घंटें टीमें कर रहीं काम?

शहर के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में आग के कारण उत्पन्न धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज के लिए बिस्तर की व्यवस्था की गई है। ब्रह्मपुरम में दो ऑक्सीजन पार्लर की व्यवस्था की गई है और चिकित्सकों का दल चौबीसों घंटों काम में जुटा है। राजीव और स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि आग के कारण निकल रहा धुआं चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, आग के कारण उत्पन्न हानिकारक धुएं की वजह से शहर के कुछ हिस्सों की वायु गुणवत्ता खराब हो गई। केरल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वेबसाइट के आंकड़ों के मुताबिक, कोच्चि की हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों का स्तर निर्धारित मानकों से काफी ऊपर है। पीएम 2.5 का स्तर रविवार सुबह साढ़े आठ बजे 279.58 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पाया गया, जबकि पीएम-10 का स्तर 324.65 दर्ज किया गया।

आग बुझाने के लिए लगाए गए वायु सेना के विमान भी?

ब्रह्मपुरम अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र में आग बुझाने में मदद के लिए भारतीय वायुसेना ने एक एमआई 17 वी5 हेलीकॉप्टर को लगाया गया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों के अनुसार पास के जलाशय से प्रभावित क्षेत्र में छह शटल उड़ाए गए और 10,800 लीटर पानी गिराया गया। हेलीकॉप्टर एयरफोर्स स्टेशन सुलूर का था।एर्नाकुलम जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य संबंधी एहतियात के तौर पर स्कूल-कॉलेजों समेत शिक्षण संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। कोच्चि निगम के अलावा, वडवुकोड-पुथेनक्रूज़ ग्राम पंचायत, किज़क्कंबलम ग्राम पंचायत, कुन्नथुनाद ग्राम पंचायत, थ्रिक्काकरा नगर पालिका, थ्रिप्पुनिथुरा नगर पालिका और मरादु नगर पालिका में अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश आंगनवाड़ियों, किंडरगार्टन और डे केयर सेंटरों, सरकारी, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त, सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों पर लागू होगा। एसएसएलसी और हायर सेकेंडरी परीक्षा सहित सार्वजनिक परीक्षाएं अपरिवर्तित रहेंगी।

» न्यूज गैलरी

दादी को बचाने के लिए चेन स्नैचर से भिड़ी 10 साल की बच्ची

पुणे ईएमएस। महाराष्ट्र के पुणे में एक 10 साल की बच्ची अपनी दादी को बचाने के लिए चेन स्नैचर से भिड़ गई। बच्ची की हिम्मत के आगे चेन स्नैचर को जान बचाकर मौके से भागना पड़ा। घटना का वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है

और लोग बच्ची की हिम्मत और सूझबूझ की तारीफ कर रहे हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया गया है कि घटना पुणे शहर में बीती 25 फरवरी को घटी, जब शहर के मॉडल कालोनी इलाके में एक 60 वर्षीय बुजुर्ग महिला लता घाग अपनी पोती रुतवी घाग के साथ घर जा रहीं थी। इसी दौरान सामने की तरफ से एक बाइक सवार उनके पास आया और रास्ता पूछने के बहाने बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन झपटने की कोशिश की। यह देखकर 10 साल की रुतवी झपटमार से भिड़ गई और उसने एक थैला हाथ में पकड़े हुए था, रुतवी ने उसी थैले को झपटमार के मुंह पर मारना शुरू कर दिया। बच्ची के इस हमले से हड़बड़ाया झपटमार तुरंत मौके से भाग निकला। इस छीना झपटी में बुजुर्ग महिला सड़क पर गिर गईं, जिससे उन्हें चोट आई हैं। वहीं घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 393 के तहत पुणे के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है।

शराब के नशे में बैठ गया तीन माह के मासूम पर, दबकर हुई मौत

अंबिकापुर, ईएमएस। सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम गिरहुलडीह में शराब के नशे में धुत्त ग्रामीण ने मासूम की जान ले ली। शराब के नशे में वह खाट पर सो रही मासूम के ऊपर

बैठ गया ।परिवार के सदस्य हल्ला करते रहे लेकिन नशे में मदहोश व्यक्ति कुछ समझ नहीं पाया ।जब उसे हटाया गया तब तक मासूम की मौत हो गई थी ।दिल को झकझोर देने घटना की जानकारी मिलते ही सीतापुर पुलिस ने आरोपित जंगलू नगेशिया(50)को हत्या के आरोप पर गिरफ्तार कर न्यायालय के निर्देश पर जेल भेज दिया है ।घटना के संबंध में सीतापुर थाना प्रभारी शिशिरकान्त सिंह ने बताया कि गिरहुलडीह के नागवंशी मोहल्ले में होली का त्यौहार मनाया जा रहा था। लोग एक-दूसरे के घरों में जाकर होली की बधाई दे रहे थे ।इनमें जंगलू नागवंशी नामक व्यक्ति भी शामिल था ।उसने सुबह से शराब का सेवन कर लिया था।

ट्यूनीशिया में नाव डूबने से 14 माइग्रेंट्स की मौत

ट्यूनीशिया, एजेंसी। गुरुवार को ट्यूनीशिया के तट पर एक नौका के डूब जाने से कम से कम 14 अफ्रीकी

माइग्रेंट्स की मौत हो गई और 54 को बचा लिया गया। नेशनल गार्ड के प्रवक्ता हौसामेद्दीन जब्बाली ने बताया कि ट्यूनीशिया के मध्य सफैक्स क्षेत्र से भूमध्य सागर में रात में 14 शव बरामद किए गए। नेशनल गार्ड ने कहा कि माइग्रेंट्स उप-सहारा अफ्रीका से थे, लेकिन उन्होंने अपनी राष्ट्रीयता जारी नहीं की।

लालू के करीबियों पर CBI-ED की रेड

पटना में पूर्व विधायक अबू दुजाना के घर पहुंची टीम; दिल्ली समेत 15 ठिकानों पर छापेमारी

पटना, एजेंसी। लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को दिल्ली, नोएडा और पटना में 15 जगहों पर छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्वष्ठ की टीम ने दिल्ली में लालू यादव की बेटियों के घर पर भी रेड मारी है। इसी के साथ पटना में आरजेडी के पूर्व विधायक के अबू दोजाना के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है और छापेमारी जारी है। पूर्व स्न्रअबू दोजाना पेशे से बिल्डर हैं। वो लालू के करीबी हैं। जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू यादव की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अभी दो दिन पहले सीबीआई की टीम ने लालू यादव से दिल्ली में पूछताछ की थी। वहीं शुक्रवार को ईडी ने दो राज्यों में छापेमारी कार्रवाई की है। जानकारी है कि लालू यादव की तीन बेटियों के घर भी रेड की गई है। हेमा, रागिनी और चंदा का घर दिल्ली में है, जिनके घर पर ईडी की टीम मौजूद है।

यदि आप को यशभारत न्यूज पेपर नहीं प्राप्त हो रहा है तो संपर्क करें

मो. 9407348995, 7999718732

चीन-पाक ने उकसाया तो सैन्य कार्रवाई कर सकता है भारत

यूएस रिपोर्ट में दावा- भारत और चीन बातचीत भले करें; रिश्तों में तनाव बना रहेगा

■ वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने दावा किया है कि आने वाले समय में चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में

तनाव और भी बढ़ सकता है। जिसका जवाब भारत सैन्य कार्रवाई कर देगा। रिपोर्ट में लिखा है- पिछली सरकारों की तुलना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में इस बात की आशंका बढ़ गई है कि चीन और पाकिस्तान की तरफ से की गई किसी भी भड़काऊ हरकत के जवाब में भारत अपनी मिलिट्री को उतार सकता है।2020 में जब गलवान में भारत-चीन की सेनाओं के बीच तनाव बढ़ा था, तब दोनों देशों ने अपने-अपने सैनिकों को पैट्रोलिंग पॉइंट-15 के पास तैनात किया था।

बातचीत के बावजूद भारत-चीन के रिश्ते बिगड़ेंगे

अमेरिकी संसद में एनुअल थ्रेट एसेसमेंट यानी बाहरी खतरों का सालाना आंकलन करने वाली रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और भारत बातचीत के जरिए बॉर्डर पर जारी विवाद को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव बना रहेगा। अमेरिकी इंटेलिजेंस ने कश्मीर को भारत-पाक के बीच रिश्तों में तनाव बढ़ाने की अहम वजह माना है। रिपोर्ट में लिखा है कि 2021 में लाइन ऑफ कंट्रोल पर हुए सीजफायर के समझौते के बाद से दोनों देश संबंधों में शांति कायम रखना चाहते हैं। हालांकि, भारत विरोधी मिलिटेंट्स का समर्थन करने का पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है। पीएम मोदी की लीडरशिप में अब पाक की किसी भी भड़ाकऊ हरकत पर भारत भी कड़ा जवाब देगा।

मार्च में ही बिगड़े हालात!

केरल के कुछ इलाकों में 54 डिग्री से ऊपर की गर्मी का अहसास, गोवा में स्कूल बंद

तिरुवनंतपुरम/बर्देज,एजेंसी, 7 कुछ महीने पहले अत्यधिक बारिश से जूझने वाले केरल में अब अभूतपूर्व और भीषण गर्म मौसमी स्थितियां महसूस की जा रही हैं। तटीय राज्य में गर्मी का मौसम अभी शुरू ही हुआ है, लेकिन

तिरुवनंतपुरम जिले के दक्षिणी छोर पर स्थित अलप्पुझा, कोट्टायम और कन्नूर जिलों के कुछ क्षेत्रों में तापमान ताप सूचकांक पर 45 से 54 डिग्री सेल्सियस महसूस किया गया।इसके अलावा इडुक्की और वायनाड के पहाड़ी जिलों के कुछ हिस्सों में ही 29 डिग्री सेल्सियस से नीचे का ताप सूचकांक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यह जानकारी केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) की बृहस्पतिवार की रिपोर्ट में सामने आई है। इसके चलते गंभीर स्वास्थ्य जोखिम और हीट स्ट्रोक का खतरा पैदा हो गया है। दूसरी ओर भीषण गर्मी के अलर्ट के चलते गोवा में स्कूलों को दोपहर तक बंद रखने का निर्देश दिया गया है। कुछ दिन पहले मौसम विभाग ने देश में भीषण गर्मी की चेतावनी दी थी, जिसका असर अब दिखने लगा है।

तेज गर्मी से बचने की सलाह

तिरुवनंतपुरम के मौसम विभाग कार्यालय ने इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इन्कार किया है। वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से बाहर जाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतने, तेज गर्मी से बचने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह जारी की है ।आईएमडी के अनुसार, उत्तरी गोवा और दक्षिण गोवा में अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है। 11 मार्च के बाद से अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इस दौरान लोगों को घरों के अंदर रहने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने इस साल भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान जताया है।

तापमान और आर्द्रता का संयुक्त प्रभाव

ताप सूचकांक तापमान और आर्द्रता के संयुक्त प्रभाव से प्राप्त होने वाले अनुभव का मापांकन करता है। दुनिया के कई विकसित देश सार्वजनिक स्वास्थ्य चेतावनी जारी करने के लिए ताप सूचकांक का उपयोग करते हैं। इसमें पारे से इतर शरीर पर तापमान का कैसा प्रभाव महसूस किया जा रहा है, इसको रिकॉर्ड किया जाता है। धूप में बाहर निकलने पर लोगों में थकान का अनुभव किया जा रहा है।

गोवा में लू की चेतावनी

गोवा शिक्षा विभाग ने भीषण गर्मी के चलते प्रदेश के स्कूलों को बृहस्पतिवार और शुक्रवार को दोपहर से पहले बंद रखने का निर्देश दिया है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने प्रदेश में लू चलने की चेतावनी जारी की है। शिक्षा निदेशक शैलेश झिंगाड़े ने कहा, लू के अलर्ट के चलते प्रदेश के सभी प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को 9 मार्च और 10 मार्च को 12 बजे से पहले की दोपहर कक्षाओं को बंद रखने के निर्देशों का परिपत्र जारी किया गया है। हमने स्कूलों से छात्रों को दोपहर बाद स्कूल आने की अनुमति देने के लिए कहा है।

कंजर गिरोह ने गुजरात से लूटी 1400 किलो चांदी भाजपा नेता के कुएं से 30 किलो चांदी बरामद

■ देवास, ईएमएस।

गुजरात के सुरेंद्रनगर के सायला में कुछ दिन पहले 1400 किलो चांदी की लूट की वारदात को अंजाम देने वाले कंजर गिरोह के चिड़ावद और आसपास के क्षेत्र में स्थित डेरों पर हाल ही में वहां की क्राइम ब्रांच ने दबिश देकर बदमाशों को पकड़ा था। इस वारदात को अंजाम देने वाले गैंग का देवास के आसपास गांवों में दबदबा है। जांच करते हुए गुजरात की टीम देवास के टोंकखुर्द पहुंची और डेरा डालकर लगातार कार्रवाई की है। कुछ दिन पहले खेत में गाड़ी गई 70 किलोग्राम चांदी पुलिस ने खोद निकाली थी। अब क्षेत्र के भाजपा नेता के कुएं से 30 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। अभी टीम 1300 किलो चांदी की खोज कर रही है। पुलिस के अनुसार कंजर गैंग के सदस्य मुख्यतः सिगरेट, मोबाइल, सोना और चांदी की लूट को अंजाम देते हैं। फिलहाल गुजरात क्राइम ब्रांच की दबिश के बाद सरगना सहित सदस्यों के आलीशान मकानों में ताले लगे मिलते हैं या महिलाएं-बच्चियां होती हैं। अपराध करने वाले संदिग्ध आरोपी फरार रहते हैं। टीम को चार मार्च को जिले के पीपलरावां क्षेत्र से

चार आरोपितों के पास से लगभग 70 किलो चांदी मिली थी। वह सतत देवास के कंजरों पर नजर बनाए हुए है। मंगलवार रात टोंककला थाने की पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर भाजपा नेता गौतमसिंह राजपूत के खेत पर कुएं में चांदी की जानकारी गुजरात क्राइम ब्रांच टीम को लगी। रात में सर्चिंग की गई, तो आभूषण जिसमें अंगूठी, बिछुड़ी व अन्य आभूषण मिले। जांच में पुलिस स्थानीय मुखबिर तंत्र, वैज्ञानिक और तकनीकी तरीकों के अलावा मेटल डिटेक्टर का उपयोग भी कर रही है।

कोरियर वाहन से लूटी थी चांदी

जानकारी के अनुसार 17 फरवरी को गुजरात के सायला से व्यापारियों की 1400 किलो का परिवहन कोरियर सर्विस की गाड़ी के माध्यम से किया गया था। चांदी की इस लूट को राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर अंजाम दिया गया था। लुटेरों ने शराब चेकिंग के बहाने से वारदात को अंजाम दिया था। वारदात में तीन वाहनों का उपयोग किया गया था।

बाइक सवार खड़े कंटेनर से टकराया, देवर-भाभी सहित चार लोगों की जान गई

■ गुना, ईएमएस।

शहर में गुरुवार रात हुए एक दर्दनाक हादसे में चार लोगों की जान चली गई। इसमें देवर-भाभी भी शामिल हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब साढ़े आठ बजे म्याना इलाके में मोटरसाइकल पर सवार युवक खड़े हुए कंटेनर से जा टकराया। म्याना थाना प्रभारी विपेंद्र सिंह चौहान से मिली जानकारी के अनुसार मृतकों में से तीन लोग मोटरसाइकल पर वार थे। एक अन्य मृतक कंटेनर चालक है। वह कंटेनर में आई खराबी को सुधार रहा था ।पुलिस के अनुसार म्याना इलाके में एक कंटेनर खराब हो जाने पर चालक ने उसे सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। चालक वाहन को सुधार रहा था इसी दौरान शिवपुरी की ओर से मोटरसाइकल पर सवार तीन लोग गुना की ओर आ रहे थे ।थाना प्रभारी ने बताया कि इसी दौरान मोटरसाइकल अनियंत्रित हो गई और कंटेनर सुधार रहे चालक से टकराकर कंटेनर से जा टकराई। बताया जाता है कि इस दुर्घटना में चारों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया ।पुलिस के अनुसार इस दुर्घटना में मारे गए लोगों में देवर-भाभी के साथ एक बच्चा और कंटेनर चालक शामिल है ।कंटेनर चालक का नाम वसीम खान निवासी फर्रुखाबाद पता चला है।

मनीष सिसोदिया की जमानत पर कोर्ट में सुनवाई आज

ED भी सिसोदिया को कोर्ट में पेश करेगी, कल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

दिल्ली शराब नीति केस में **CBI** के बाद अब श्वष्ठ ने पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार कर लिया। जांच एजेंसी शुक्रवार को सिसोदिया को कोर्ट में पेश करेगी, यहां एजेंसी उनकी रिमांड मांग सकती है। सिसोदिया को ईडी ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार किया। उधर, CBI के केस में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर दोपहर 2.30 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई होगी। सिसोदिया को CBI ने 26 फरवरी को 8 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। 7 दिन की सीबीआई रिमांड के बाद कोर्ट ने 6 मार्च को सिसोदिया को 20 मार्च (14 दिन) की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजा था। ED दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम से शराब नीति में मनी लॉन्ड्रिंग केस में

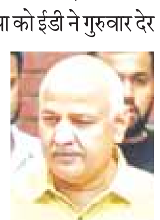

पूछताछ कर रही है। इससे पहले 7 मार्च को एजेंसी ने तिहाड़ जेल में सिसोदिया से 6 घंटे पूछताछ की थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्वष्ठ की टीम इस मामले में गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों के साथ तिहाड़ पहुंची थी। श्वष्ठ ने बताया था कि नई शराब नीति बनाने में साउथ दिल्ली के व्यापारियों से 100 करोड़ की रिश्वत ली गई थी। इस मामले में श्वष्ठ ने 6 मार्च को हैदराबाद के बिजनेसमैन अरुण रामचंद्र पिल्लई और अमनदीप ढल को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन आरोपियों ने सिसोदिया का नाम लिया था।

तेलंगाना के CM की बेटी को भी ED का बुलावा

दिल्ली शराब नीति केस में तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के कविता को भी ED ने 11 मार्च को पूछताछ के लिए बुलाया है। ED ने पहले के कविता को 9 मार्च के लिए समन किया था। इस पर कविता ने एजेंसी से एक हफ्ते का समय मांगा था। कविता ने यह भी कहा था कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगी। भारत राष्ट्र समिति (BRS) नेता कविता के अनुरोध को स्वीकार कर श्वष्ठ ने उन्हें नया समन जारी किया है।

खूंखार क्रिमिनल्स हैं सिसोदिया के पड़ोसी

मनीष सिसोदिया को तिहाड़ की 1 नंबर जेल में वार्ड नंबर 9 में रखा गया है। यह सीनियर सिटीजन वार्ड है, जहां उन पर CCTV की निगरानी भी रहेगी। इसी वार्ड में कुछ खूंखार अपराधी भी सिसोदिया के पड़ोसी हैं। केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन भी इसी वार्ड में 7 नंबर में हैं। सिसोदिया और जैन की सेल के बीच 500 मीटर की दूरी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक आने वाले दिनों में सिसोदिया को अपनी सेल किसी दूसरे आरोपी के साथ शेयर करनी पड़ सकती है।

मौसम: मप्र में 15 मार्च से फिर बेमौसम बारिश का दौर, अभी के सिस्टम जितना ही स्ट्रॉन्ग

गेहूं-चने, सरसों की 80% फसल पर संकट

■ भोपाल, यशभारत।

मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज लगातार बिगड़ रहा है। बेमौसम बारिश किसानों की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। पांच दिन में तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी की वजह से 20 से ज्यादा जिलों में गेहूं-चने और सरसों समेत अन्य फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। 80त्न से ज्यादा फसलें या तो खेतों में खड़ी हैं, या फिर कटकर खलिहान में रखी है। इन पर फिर से संकट के बादल मंडरा रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक 15 मार्च से फिर बारिश का दौर शुरू होगा, जो तीन-चार दिन तक चलेगा। अरब सागर से आने वाली हवाओं के चलते पूरे प्रदेश में असर रहेगा। बारिश के साथ ओले गिरेंगे और तेज आंधी भी चलेगी। प्रदेश में 3 मार्च से मौसम बदला था और 5 मार्च से बारिश का दौर शुरू हो गया था। कई शहरों में तो 60 Km प्रति घंटे की स्पीड से आंधी चली। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, मंदसौर, रतलाम, नर्मदापुरम, विदिशा, राजगढ़, बड़वानी, सीहोर, रायसेन, धार, हरदा, शाजापुर, छिंदवाड़ा, आगर-मालवा, खंडवा, सतना समेत 20 से ज्यादा जिलों में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश-आंधी के साथ ओले भी गिरे। इस कारण गेहूं-चने और सरसों की फसलों को नुकसान हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रभावित फसलों का सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। कई जिलों में मंत्री-विधायक भी प्रभावित फसलों का जायजा लेने के लिए खेतों में उतरे हैं।

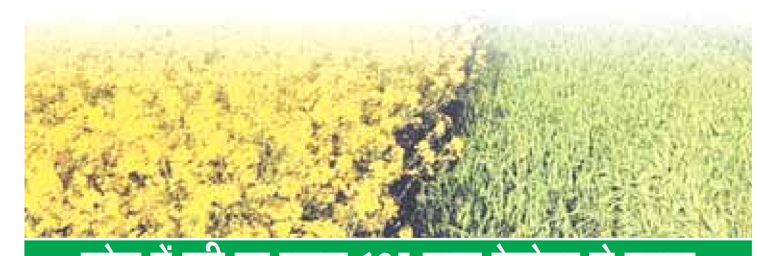

प्रदेश में रबी का रकबा 135 लाख हेक्टेयर से ज्यादा

प्रदेश में रबी का रकबा 135 लाख हेक्टेयर से ज्यादा है। इसमें गेहूं, चना, सरसों की फसलें ज्यादा बोई गई है। अभी भी 80 प्रतिशत फसलें खेतों में ही खड़ी है, या खलिहान में रखी है।

पहला दौर आज खत्म होगा

3 से 9 मार्च के बीच साउथ वेस्ट राजस्थान में प्रेरित चक्रवात बना। इसके अलावा, उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय रहा। इस कारण एक्टिविटी हुई। साउथ कोंकण से लेकर सेंट्रल छत्तीसगढ़ तक ट्रफ लाइन गुजरने से सिस्टम और मजबूत हो गया। इसी की वजह से वेदर डिस्टर्ब हुआ। प्रदेशभर में ओले, बारिश और आंधी का दौर चला। यह सिस्टम 10 मार्च को खत्म हो जाएगा। इसके बाद गर्मी का असर पड़ेगा।

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट बना वृंदावन

चैतन्य महाप्रभु नौ दिवसीय जन्मोत्सव का समापन हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्र दास जी महाराज ने सर्वप्रथम भगवान का 11 फलों के रसों के साथ अभिषेक किया फिर भक्तो ने किया महाआरती के साथ फूलों की होली का आनंद उत्सव मनाया गया हरे कृष्णा आश्रम वृंदावन धाम लग रहा था भंडारे का आयोजन हुआ चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के द्वारा विशेष प्रस्तुति की गई इस अवसर पर शरद अग्रवाल डॉक्टर यादव डॉक्टर बंगाली शिव शंकर पटेल आदि उपस्थित थे ।

शहर की बस्तियों से लेकर पाश कालोनियों में जगह जगह होली की धूम मची है

महिलाएं भी होली खेलने में पीछे नहीं हैं। वहीं बच्चे सुबह से ही जमकर धूम मचा रहे हैं और होली में रंग गुलाल जमकर एक दूसरे पर उड़ा रहे हैं। गली मोहल्लों में सबसे ज्यादा होली का खुशनुमा माहौल देखा जा रहा है। बाजारों से सफेद कुर्ते, टी शर्ट और होली के पोशाक खरीदकर लोगों ने अपने बच्चों को पहनाया और पिचकारी व रंग गुलाल देकर सुबह से ही पड़ोसियों के साथ गलियों और कालोनियों में घर के बाहर भेज दिया ताकि बच्चे होली के रंग में रंगकर त्योहार का महत्व समझ सकें। यह सिलसिला जिले में रंग पंचमी तक जारी रहेगा।

शुरू हुआ बधाइयों का सिलसिला-

लोगों ने एक दूसरे के घर पहुंचकर रंग गुलाल लगाते हुए होली की शुभकामनाएं दी। तमाम गिले-शिकवे भूलकर लोग एक दूसरे के गले मिले। मोहल्ले को बस्तियों में जहां-तहां कीचड़ की होली का भी नजारा दिखाई दिया। होली की मस्ती में चूर लोग कीचड़ में लोटते नजर आए।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पुलिस ने होली पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। करीब ढाई हजार जवानों को समूचे जिले में तैनात किया गया है। जिले के प्रवेश मार्गों और शहर की मुख्य सड़कों पर फिक्स पॉइंट बनाकर पुलिस आने जाने वालों की जांच कर रही है। ब्रीथ एनालाइजर से जांच कर पुलिस नशे की हालत में वाहन चलाने वालों की धरपकड़ कर रही है।

रंग गुलाल में सराबोर हर उम्र के लोग

जबलपुर, यशभारत। इस वर्ष हर वर्ग के लोगों ने जमकर होली मनाने की भरपूर तैयारी के साथ बुधवार की सुबह का आगाज किया । एक-दूसरे को रंगने के लिए लोग आकुल-व्याकुल नजर आए। होली में इंद्रधनुषी रंग भरने इस बार अधिक जोश के साथ सड़कों पर उतरे। मंगलवार को जो खरीदी की गई, उसका रंग बुधवार को सुबह से जमने लगा। आस-पड़ोस से लेकर रिश्तेदारों तक रंग-गुलाल की खुशबू बिखरी। दोपहर होते ही होली के रंग संग युवा फिल्मी गानों पर झूमने लगे थे। गली-गली में डीजे के गानों पर युवा थिरक रहे थे। स्कूलों में वार्षिक परीक्षाएं जारी होने के बाद भी बच्चों ने समय निकाला और जमकर होली खेली।

होली के दिन चार की कहावत हुई चरितार्थ

रसीला होली गावे-होय, होली के दिन चार, यह कहावत चरितार्थ हुई। होलिका दहन के साथ मौसम करवट ले चुका है। वातावरण को नई आभा देते हुए भुवन भास्कर प्रखर हो गए हैं। इसका शुभारंभ होली के रंग-गुलाल से हुआ। अब रंग पंचमी तक होली का इंद्रधनुष पूरी रंगत के साथ खिलेगा।

गुजिया की खुशबू से आस-पड़ोस महके

होली के अवसर पर प्रत्येक घर से गुजिया की खुशबू आ रही है। खोवा खरीदा गया और गुजिया बनाई गई। सूखे मेवों से उनमें दम भरा गया। मेहमानों का स्वागत इन्हीं से हुआ।साथ ही पान भी खिलाया गया। लोंगा-इलायची के बीडा भी तैयार करने में लोग पीछे नहीं हटे। वहीं ठंडाई के शौकीन माजूम जैसा परंपरागत स्वाद बरकरार रखने कमर कस चुके थे। उनका यह व्यंजन खूब पसंद किया गया। जबलपुर में फाग गाने वाले पुरवा में मस्ती में झूम रहे थे। होलिका दहन की रात गजब की मस्ती थी। गुलाल जमकर उड़ रहा था। बुधवार को रंग की बहार आ गई।

उत्सवधर्मी संस्कारधानी में सारा दिन व जमकर होली खेलने के जुनून ने यहां के युवाओं की होली का तरीका बदल गया है। बीते करीब दस वर्षों से यहां के युवा व बच्चे रंग की जगह जमकर पीली मिटटी और गेरू की होली खेलने लगे हैं। इस बार भी पीली मिट्टी और गेरू की यह होली अनोखे अंदाज में खेली गई। रंगों में रंगे चेहरों की बजाय होली पर नौजवान पीली मिट्टी और गेरू से सने नजर आए। पीली मिट्टी व गेरू से होली खेलने का प्रचलन इतना अधिक बढ़ गयाा था कि बोरियां कम पड़ जाती है। इस बार भी कमोवेश वही स्थिति रहीं। हालांकि विशेषज्ञ इसे हानिकारक मानते हैं, लेकिन हर साल होली पर पीली मिट्टी और गेरू की खपत बढ़ती जा रही है।

भरपूर मस्ती संग खेली होली

कम खर्च होता है-

शहर के युवाओं का मानना है कि पीली मिट्टी व गेरू से होली खेलना रंग-गुलाल की तुलना में काफी सस्ता पड़ता है। कम बजट में भी जमकर होली खेली जा सकती है। रंग महंगे होने की वजह से जल्दी खत्म हो जाते हैं। जबकि पीली मिट्टी व गेरू सस्ते व बोरियों में आते हैं,इसलिए दिन भर इनसे होली खेली जा सकती है। युवा कहते हैं कि वे बीते 4-5 साल से अपने मित्रों के साथ होली के दिन भर पीली मिट्टी व गेरू खेलते हैं। यह सस्ता तो है ही, छुटाने में भी आसान होता है।

दिन भर मस्ती, केमिकल से बचाव भी-युवाओं का कहना है कि रंग की होली खेलने पर एक बार लगाया गया रंग जल्दी नहीं उतरता। ऐसे में उस रंग पर दूसरा रंग नही चढ़ता। इस वजह से एक बार रंगने के बाद हुरियारों को दोबारा रंग डालने में आनन्द नही आता। जबकि पीली मिट्टी व गेरू आसानी से साफ हो जाते हैं।

बहनों ने भाईयों को टीका कर की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना

जबलपुर, यशभारत। भाई दूज सालभर में आने वाले सभी महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पर्व भाई बहन के पवित्र रिश्ते और स्नेह का प्रतीक है। फाल्गुन मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि की रात में होलिका दहन के बाद अगली सुबह रंग खेलने वाली होली और फिर इसके बाद चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को भाई दूज मनाया जाता है। इस भाई दूज को भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है।द्वितीया तिथि पर विशेष मूहूर्त में बहिनों ने भाईयों के माथे पर गुलाल का टीका लगाया। और भाईयों की लंबी आयु और सुख समृद्धि की कामना की। शास्त्रों के अनुसार, होली भाई दूज में भाई को तिलक और उनकी पूजा करने से भाई को सभी संकटों से मुक्ति मिलती है। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि को होली भाई दूज मनाया जाता है। जिस तरह दीपावली के बाद भाई दूज मनाकर भाई की लंबी उम्र के लिए कामना की जाती है, वैसे ही रंग वाली होली खेलने के बाद भाई का तिलक करके होली भाई दूज मनाई जाती है।

सेंट्रल जेल में बहनों ने भाईयों को टीका लगाया

नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार में होली के बाद मनाई जाने वाली भाई-दूज पर विशेष मुलाकात का मौका एक दिन पहले ही प्रदान कर दिया गया। इस मौके पर सैकड़ों लोगों ने विंडो-मुलाकात के माध्यम से अपने भाई-बहन से भेंट की। बहनों ने भाईयों को टीका लगाकर उनके दीर्घायु और स्वस्थ रहने की कामना की। अच्छी बात यह रही कि जेल प्रशासन की ओर से किसी भी मुलाकाती को वापस नहीं लौटाया गया। करीब पौने दो सौ लोगों को जेल में निरुद्ध उनके भाई-बहनों से मुलाकात करवाई गई।

नारी शक्ति प्रभारियों का एस पी ने किया सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन

जबलपुर यशभारत। महिलाओं के सम्मान के लिए एस पी सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा शहर के उन सभी क्षेत्रों की महिला टी आई को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया जिन पुलिस थानों की महिला थाना प्रभारी रहीं। एस पी ने इस मौके पर ग्वारीघाट टी आई भुमेश्वरी चौहान , शोभना मिश्रा, रीना पांडेय सहित अन्य महिला प्रभारियों का सम्मान किया।। एस पी ने इस दौरान नारी शक्ति प्रभारियों से स्पष्ट कहा कि वे बिल्कुल निर्भीक होकर कार्यवाही करें।। शहर के कई पुलिस थानों ने पदस्थ महिला पुलिस कर्मचारियों का भी मनोबल बढ़ाते हुए एस पी सिद्धार्थ बहुगुणा ने उन सभी को सम्मानित किया।।

रोटरी क्लब जबलपुर सनशाइन ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

जबलपुर यशभारत। हर वर्ष की ही तरह इस बार भी सनशाइन क्लब के द्वारा उन महिलाओं को सम्मानित किया गयाजो काम तो बहुत करती है पर उन्हें कोई सम्मान नहीं देता। महिला सफ़ाई कर्मीयो का काम भी कुछ ऐसा ही है , ना लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते है ना ही उनके काम को ,क्लब अध्यक्ष शिखा पौराणिक ने बताया की आज स्वच्छता के काम में जो अपना सबसे ज़्यादा योगदान दे रहे है वो सफ़ाई कर्मी ही है जो समय और मौसम की परवाह किए बिना सफ़ाई व्यवस्था में जुटे नज़र आते है और जब बात साफ़ सफ़ाई की हो रही है तो महिलाओं के योगदान को कैसे नज़र अन्दाज़ कर सकते है क्योंकि घर हो या शहर उसे साफ़ रखने में नारी शक्ति की सबसे अधिक महत्व पूर्ण भूमिका हैऐसी ही लगभग 20 महिला सफ़ाई कर्मियों का क्लब द्वारा सम्मान पत्र व उपहार देकर समाजके प्रति उनके योगदान को सम्मान किया गया और सभी को स्वल्पाहार कराया गया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष यामिनी चतुर्वेदी जी , तारा कोडापे जी , नीलम शर्मा जी , वर्षा गायकवाड़ , अनुराधा चतुर्वेदी जी , सविता वागदे ,भावना नायडू , शिवांगी पचौरी आदि का सहयोग रहा।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री ने व्हीएफजे को किया पुरस्कृत

पश्चिमी-मध्य क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर यशभारत। गत दिवस रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय संयुक्त राजभाषा सम्मेलन में वाहन निर्माणी, जबलपुर को राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गयाद्य यह पुरस्कार समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने प्रदान किया ।वाहन निर्माणी महाप्रबंधक की ओर से उनके प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह कनिष्ठ कार्य प्रबंधक एवं मोहन कुमार साहू कनिष्ठ अनुवादक अधिकारी ने ग्रहण किया उल्लेखनीय है कि पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात तथा गोवा में स्थित सभी केंद्रीय कार्यालयों, उपक्रमों, बैंकों आदि द्वारा राजभाषा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की समीक्षा के आधार पर पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष वाहन निर्माणी, जबलपुर को वर्ष 2021-22 के लिए राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे पहले भी निर्माणी को गोवा में आयोजित पश्चिम एवं मध्य क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में वर्ष 2018-19 के लिए तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा सम्मानित होने पर निर्माणी के मुख्य महाप्रबंधक अशोक गुप्ता ,राजभाषा अधिकारी रामेश्वर मीणा, संयुक्त महाप्रबंधक ने यह पुरस्कार सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समर्पित कर शुभकामनाएं दी हैं।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन

परिहास के साथ देश की वर्तमान परिस्थियों पर तीखा कटाक्ष

जबलपुर,यशभारत। नागरिक अधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा गढ़ाफाटक में आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में कवियों ने है परिहास के साथ देश की वर्तमान परिस्थियों पर तीखा कटाक्ष किया। विधायक लखन घनघोरिया ने कवियों और आयोजक अजय अग्रवाल, बबलू शरद नामदेव की सराहना करते हुए कहा कि गढफाटक में 12 वर्ष बाद पुनः कवि सम्मेलन कर पुरानी परंपरा को जीवित किया आप सभी बधाई के पात्र हैं।मुख्यातिथि विधायक विनय सक्सेना ने कहा कि धुरेड़ी के दिन विषम परिस्थितियों में सफल आयोजन करना बड़ी चुनौती है जिसे आप सभी ने सकुशल संचालित कर मिशाल कायम की। कार्यक्रम का सञ्चालन कर रहे हास्य व्यंग्य के समर्थ कवि मनीष तिवारी ने ठहाका लगवाते हुए कार्यक्रम को सफलता के शिखर तक पहुंचाया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भ्रूण हत्या को रेखांकित करते हुए कविता सुनकर श्रोताओं की आंखें नम कर दी। राज सागरी की ऐसी तैसी, सूरज राय सूरज एवं श्री आलोक पाठक की सैनिको को समर्पित रचना को बहुत वाहवाही मिली। श्रीमती अर्चना अर्चन, आलोक पाठक, मीनाक्षी तारीका, अजय अजेय, दिनेश राज, वंदना सोनी, डॉ प्रतिभा पटेल ने यादगार काव्यपाठ कर कवि सम्मेलन को अविस्मरणीय बना दिया। इस अवसर पर रसिक श्रोताओं के क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थिति रहे। अगले वर्ष पुनः विराट कवि सम्मेलन होगा इस संकल्प के साथ सन्स्था के महामंत्री बबलू शारद नामदेव ने आभार प्रदर्शन किया। अतिथियों का स्वागत अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में आचार्य देवेंद्र पोद्दार, उमराव सिंह, सुनील साहू,नरेश सिंह ठाकुर, दीपक केसरवानी, विकास पांडे ,रज्जू अग्रवाल, राजेश केसरवानी, सत्येंद्र शर्मा, अखिलेश सेठ, सुरेंद्र नामदेव, अनुराग जैन रिसर्च इंडिया, सुजीत सोंधिया,राकेश समुंद्र, रजनी नामदेव ,सीमा मिश्रा, अनुराधा सोनिया,उषा पोद्दार ,वर्षा उपाध्याय, जयनारायण अग्रवाल ,मोनी अग्रवाल,आकाश बर्मन, एडवोकेट श्याम खंडेलवाल ,शैलेंद्र ठाकुर, मुकेश नामदेव, उमेश राठौर, सोनू जैन, ओम अग्रवाल, गुल्लू साहू, सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे

पूरी नर्मदा छलनी, धड़ल्ले से निकाली जा रही रेत

जबलपुर, यशभारत। समय रहते इन रेत माफियाओं को नहीं रोका गया तो ये पूरी नर्मदा नदी पी जाएंगे। शहपुरा स्थित नर्मदा के कूड़ाघाट से जो तस्वीरें देखने मिलीं वह साफ-साफ बयां कर रही हैं कि रेत माफिया किस हद तक नर्मदा को खोखला किये दे रहे हैं। एक दो नहीं बल्कि 50 से ज्यादा ट्रेक्टर एक साथ नर्मदा के तट पर रेंगते नजर आये। इसी तरह से कूड़ा, चरगवां, जमतरा, नादियाघाट, भड़पुरा, भीखमपुर आदि घाटों में रेत के लुटेरों का कब्जा है।

50 से ज्यादा टेक्टर लगे है रेत निकालने में

माइनिंग विभाग के अधिकारियों से लेकर कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और प्रमुख सचिव भोपाल तक भेजे गए ।इसके बाद जिन लोगों ने अवैध रेत उत्खनन की शिकायत प्रशासन के पास कार्रवाई कराने की मंशा से भेजी थी और कार्रवाई नहीं हुई थी। इन नर्मदा रक्षक भी रेत माफियाओं के विरुद्ध कार्रवाई करने से उनके हाथ कांपते हैं। नर्मदा की छाती से सुबह से लेकर रात तक रेत नोंचने वाले बेरहम माफियाओं को राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर खुलेआम शह दी जा रही है। यही वजह है कि रेत माफियाओं की जिन बेरहम करतूतों को सैटेलाइट से देखा जा सकता है वो खुली आंखों से नजर नहीं आ रही हैं।

घाट को मैदान बना दिया खनन माफियाओं ने

नर्मदा का पानी कम होने के बाद कूड़ा घाट मैदान सरीखा नजर आने लगता है। रेत माफिया इस क्षेत्र को बराबर कर लेते हैं और बीच नर्मदा तक वाहनों के आने-जाने का रास्ता बना लेते हैं। नर्मदा के बीच वाले इसी हिस्से को मैदान बना लिया जाता है, उसी में वाहन चहलकदमी करते नजर आते हैं। जिसे जहां पर मौका मिलता है, वहीं पर रेत उत्खनन करके ट्रेक्टर, डंपर, हाइवा में रेत भरना शुरू कर देते हैं। अवैध तरीके से नर्मदा को छलनी करने वाले रेत माफिया पर प्रशासनिक अधिकारी कृपा बरसा रहे हैं।

ग्रामीण भी बोलने से डरते है

अवैध तरीके से नर्मदा को छलनी कर रहे रेत माफिया के खिलाफ ग्रामीण भी बोलने से डरते हैं। कुछ जागरूक लोग प्रशासनिकअधिकारियों सेशिकायत भी करते हैं। लेकिन जब प्रशासनिक अधिकारी सुनवाई नहीं करते हैं तो वे भी चुपचाप नर्मदा से हो रही अवैध रेत निकासी को देखते रहते हैं। जबकि बीच नर्मदा से रेत निकालने पर पूरी तरह से पाबंदी है। क्योंकि एनजीटी के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भीनदी के बीच से रेत निकालने से पानी में पल रहे जीव-जंतुओं को खतरा है। फिर भी रेत माफिया मनमानेतरीके से नर्मदा के बीच में मोटर बोट लगाकर रेत निकाल रहे हैं।

रेत निकासी को लेकर कई बार हो चुकी है गैंगवार

कूड़ा घाट एक ऐसा घाट है, जहां पर अवैध तरीके से रेत निकासी को लेकर गैंगवार हो चुकी है। यहां पर रेत निकासी की प्रतिस्पर्धा इतनी जोरों पर होती है कि जिस रेत माफिया का जितना बाहुबल होगा उतनी अवैध रेत की निकासी कर सकता है। लिहाजा बाहुबल दिखाने के चक्कर में कई बार गैंगवार हो चुकी है। रेत माफिया की गैंगवार की खबर पुलिस थाने तक भी पहुंची है। लेकिन पुलिस द्वारा अवैध रेत निकासी पर लगाम कसने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

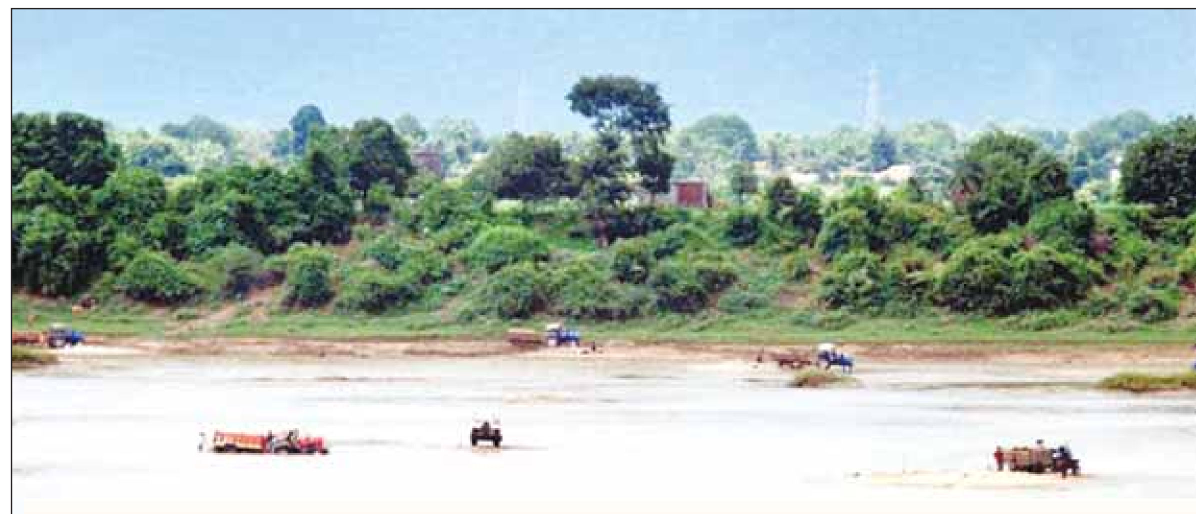

कूड़ा, चरगवां, जमतरा, नादियाघाट, भड़पुरा, भीखमपुर आदि घाटों में रेत के लुटेरों का कब्जा

शहर की पहचान बनी मोक्ष और गरीब नवाज कमेटी

जबलपुर यशभारत। लाश घर में है लेकिन अंतिम संस्कार के रास्ते में गरीबी खड़ी है। कोरोना से मौत हुई है, कोई कफन दफ्न करने वाला नहीं। गंभीर बीमारी से मौत हुई, अपने भी हाथ लगाने तैयार नहीं। यतीम हो गरीब हो बेसहारा हो, ऐसा कोई भी हो जिन्हें जीते जी सहारा न मिला हो। लेकिन ऐसे लोगों को सम्मान जनक विदाई मिल सके, इसके गरीब नवाज कमेटी और मोक्ष संस्था हमेशा मौजूद रहती है। यूं ही नहीं इस शहर को संस्कारधानी कहते हैं। धर्म, जाति, समाज हर बंधन से उठकर लोग यहां एक दूसरे की मदद करते हैं। जब अपने साथ छोड़ जाते हैं, तो शहर का ही कोई न कोई मसीहा बनकर सामने आता है, अपनों की कमी को दूर करता है। संस्कारधानी की संस्कारों की जीती जागती मिसाल आज गरीब नवाज कमेटी की इनायत अली और मोक्ष के आशीष ठाकुर बन चुके हैं। इनका सालों से सेवा का यह क्रम जारी है। जिनकी चर्चा और तारीफ अब प्रदेश की सीमाएं लांघ कर देशभर में होने लगी है।

यूं ही नहीं जबलपुर को संस्कारधानी कहते

इनायत किया सीलू का संस्कार...

ऐसा ही एक मामला गत दिवस सामने आया था। जहां एक महिला सीलू सिंह की दोनों किडनी खराब हो गई, मेडिकल के डॉक्टरों ने घर ले जाकर सेवा करने की सलाह दी। बेटी ने साफ मना दिया की वो सेवा नहीं कर सकती और अंतिम सांसे गिनती मां को छोड़कर चली गई। फिर मुहं बोले भाई प्रेम चंद्र गुप्ता को बुलाया गया। अत्यंत गरीब प्रेम चंद्र ने छोटी खेरमाई मंदिर राइट टाउन के सामने फुटपाथ पर उसे रखा। खबर गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली तक पहुंची। इनायत बीमार सीलू के खाना पीने ओड़ने का इंतेजाम किया। अंतिम समय पर उसकी बेटे की तरह सेवा की। गत देर रात सीलू की मौत हो गई, तो इनायत और उनके साथियों ने सीलू का अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ रानीताल शमशन घाट में किया। बताया गया की अंतिम संस्कार के समय मृतिका की बेटी भी शमशान पहुंची। लेकिन लोगों के आग्रह पर इनायत अली ने ही बेटा बनकर अंतिम संस्कार संपन्न कराया।

बाइक स्लिप होने गिरे बुजुर्ग को गंभीर चोटें

जबलपुर। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बस स्टैंड में 70 वर्षीय बुजुर्ग बाइक स्लिप होने से गिर गए जिससे उन्हें सिर व चेहरे में गंभीर चोटें आईं हैं। हादसे के बाद बुजुर्ग राजेश कुमार राय को वहां मौजूद गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली सहित कुछ अन्य लोगों ने जमीन से उठाया और निजी अस्पताल भिजवाया। ।इस सम्बन्ध में गरीब नवाज कमेटी के इनायत अली ने बताया कि बस स्टैंड के पास एक बुजुर्ग बाइक से गिर गए जिन्हें गंभीर चोटें आईं थीं। हादसे के बाद बुजुर्ग अपने घर जाने की जिद करने लगे लेकिन उन्हें जबरदस्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है बुजुर्ग राजेश कुमार बंदरिया तिराहे स्थित अपने घर में अकेले रहते है जिनके दोनों बेटे अमेरिका में नौकरी करते हैं।

संस्कारधानी में खिला प्रदेश में विलुप्त हो चुका पीला फूल, बचे हैं महज दो पेड़

जबलपुर, यशभारत। प्रदेश में विलुप्त हो चुके पीले सेमल के महज दो पेड़ अब जबलपुर में ही बचे हैं। जिनमें आए पीले फूलों ने राज्य वन अनुसंधान संस्थान (एसएफआरआइ) के वैज्ञानिकों के चेहरे खिल उठे हैं। इस दुर्लभ प्रजाति को बचाने में जुटे वैज्ञानिक पीले सेमल के पौधे उगाने की तैयारी में लगे हैं। इस साल 100 पौधे उगाने का लक्ष्य लिया है।

सेमल में आए फूल, शोध के साथ संरक्षण

एसएफआरआइ के वैज्ञानिकों का दावा है कि प्रदेश से पीला सेमल विलुप्त हो चुका है। जबकि लाल सेमल बहुतायत में पाया जाता है। पीले सेमल के दो पेड़ जबलपुर के ग्वारीघाट क्षेत्र में हैं, जिनका संरक्षण किया जा रहा है। सेमल में आए पीले फूल को बचाने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। इनमें से एक को संस्थान में शिफ्ट किया गया था, जो तैयार हो गया और पीले फूल आ गए हैं। जानकारों के अनुसार पीला सेमल के फूल से लेकर जड़ तक औषधि के रूप में उपयोग में लाई जाती है। छाल का प्रयोग मूसली के रूप में किया जाता है। इसके फूल की पंखुड़ी से गुलकंद बनता है। वहीं, गोंद भी निकलती है। दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में पीले सेमल के पेड़ हैं। पर प्रदेश में यह विलुप्त की श्रेणी में गिना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जहां पीला सेमल खिलता है वहां उडने वाले पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों की मौजूदगी होती है।

बड़ी विडंबना, शहर के प्रमुख चौराहों पर नहीं पब्लिक टॉयलेट

जबलपुर, यशभारत। शहर के प्रमुख बाजारों पर जहाँ सुबह से देर रात तक भीड़ देखते ही बनती है। जहाँ दिन भर लोगों की आवाजाही देखी जा सकती है। उन क्षेत्रों में पब्लिक टॉयलेट न होना सबसे बड़ी समस्या उभरकर सामने आई है। बड़ा फुहारा, सराफा कमानिया, लार्डगंज, अंधेरदेव, तुलाराम चौक, करमचंद चौक और सिविक सेंटर शहर के पुराने और प्रमुख बाजार हैं।

जहाँ जबलपुर के अलावा आसपास के जिलों से भी रोज हजारों लोग खरीददारी करने के लिए पहुँचते हैं। जो दिन भर इन बाजारों में ही अपना समय बिताते हैं, लेकिन इस दौरान किसी को निस्तार की जरूरत महसूस होती है तो उन पर यहाँ-वहाँ भटकने की नौबत आ जाती है। ढूँढने पर मिलते हैं सुलभ कॉम्प्लेक्स ज़ जनता के निस्तार को लेकर शहर में कई सुलभ कॉम्प्लेक्स बनाए गए हैं। इक्का-दुक्का क्षेत्र के कॉम्प्लेक्स को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर सुलभ कॉम्प्लेक्स बाजारों से या तो दूर हैं या इतने गंदे रहते हैं कि लोग यहाँ घुसना भी पसंद नहीं करते। जिसकी वजह से खुली पड़ी जगहें ओपन टॉयलेट बन चुकी हैं।

महानगरीय तौर पर विकास की बातें लेकिन स्थिति चिंताजनक

सबसे ज्यादा परेशानी झेलती हैं महिलाएं

महिलाएँ पुरुष और युवा वर्ग के लोग तो निस्तार की जगह आसानी से ढूँढ लेते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को झेलनी पड़ती है। हाल ही में इसी समस्या को लेकर सराफा एसोसिएशन द्वारा प्रदर्शन करके महापौर को ज्ञापन भी सौंपा गया था, क्योंकि सराफा, कमानिया, बड़ा फुहारा और इससे लगे बाजारों में एक भी पब्लिक टॉयलेट नहीं है। प्रमुख बाजारों में सार्वजनिक शौचालयों को लेकर अनकों बार निगम प्रशासन से माँग की गई है, लेकिन समस्या का हल आज तक नहीं हो सका। सुलभ कॉम्प्लेक्स तो हैं, लेकिन उनकी पहुँच सिर्फ लोकल लोगों तक सीमित है। छोटे-छोटे टायलेट बनना जरूरी है व्यापारियों का कहना है कि सराफा, किराना व कपड़ा बाजार के साथ शहर के प्रमुख बाजारों में भी महिलाएँ खरीददारी के लिए पहुँचती हैं, सबसे ज्यादा उन्हीं को परेशानी झेलनी पड़ती है। इसलिए छोटे- छोटे टॉयलेट्स बनाए जाने चाहिए। टॉयलेट की जगहों पर अवैध कब्जे शासन-प्रशासन स्तर पर शुरू से ही सभी पारम्परिक बाजारों में पब्लिक टॉयलेट की व्यवस्थाएँ बनाई गई थीं, लेकिन समय के साथ इन टॉयलेट्स पर अतिक्रमण कर कब्जे हो गए। इतना ही नहीं नगर निगम के साथ निजी मार्केट में भी टॉयलेट्स की जगहों पर दुकानें बना ली गई हैं। जिसके संबंध में अनेकों शिकायतें भी हुई, लेकिन आज तक ठोस कार्रवाई न होने से मामला ठंडे बस्ते में पहुँच गया।

बदमाशों ने ऑटो में लगाई आग, परिवार घर में सो रहा था

जबलपुर, यशभारत। एक तरफ जहां होली में सभी रंग और गुलाल खेल रहे थे तो वहीं देर रात अज्ञात बदमाशों ने कटंगी के ग्राम भमका निवासी सुनील प्रधान की लोडिंग ऑटो में आग लगा दी। शुक्रवार सुबह जब सुनील सोकर उठा तो ऑटो उसे जली हुई मिली। इस संबंध में सुनील ने बताया कि रात को किसी असामाजिक तत्व ने उसकी ऑटो में आग लगा दी है। मामले की शिकायत पुलिस में की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण की जांच शुरु कर दी है।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ : हाथ पकड़ कर कहा, शादी करुंगा भाग चलो

जबलपुर, यशभारत। मझौली थाना अंतर्गत बनखेड़ी में एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता घर जा रही थी तभी रास्ते में शोहदा मिला और अश्लील कमेंट्स करने लगा। उसने विरोध किया तो हाथ पकड़ कर प्रेम का इजहार करते हुए भाग चलने की मिन्नते करने लगा और ऐसा ना करने पर जान से मारने की धमकियां देने लगा। जिसके बाद पीड़िता अपने परिजनों समेत थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर, जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता 14 वर्षीय छात्रा ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर अकेली जा रही थी। तभी रास्ते में शोहदा मिला और रोज की तरह ही छीटाकशी करने लगा। जब उसने विरोध किया तो साथ में भाग चलने की बात करने लगा और विरोध करने पर जान से मारने की धमकियां देने लगा। पुलिस अब आरोपी को तलाश करने में जुटी है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

लोककर्म विभाग

निविदा सूचना क्रमांक-पी.डब्ल्यू.डी./ई-टेंडरिंग/पी.आर.ओ./755 दिनांक 07.03.2023

निविदा आमंत्रण सूचना

पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	पैकेज/ कोड	कार्य का विवरण	जिला	अनुमानित लागत (लाख में)	निर्माण अवधि (माह में)
1.	सं.क्र. -03	शहीद गुलाब सिंह वार्ड में शारदा देवी मंदिर के पहले पानी की टंकी के पास संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य	जबलपुर	रु. 24.72 लाख (चौबीस लाख बहत्तर हजार)	04 माह
2.	सं.क्र. -06	पं. गोविंद वल्लभ पंत वार्ड सूजीपुरा में संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य	जबलपुर	रु. 24.72 लाख (चौबीस लाख बहत्तर हजार)	04 माह
3.	सं.क्र. -06	डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड में संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य	जबलपुर	रु. 24.72 लाख (चौबीस लाख बहत्तर हजार)	04 माह
4.	सं.क्र. -07	निर्मलचंद जैन वार्ड में शासकीय प्राथमिक शाला में संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य (चतुर्थ निविदा)	जबलपुर	रु. 24.72 लाख (चौबीस लाख बहत्तर हजार)	04 माह
5.	सं.क्र. -07	महर्षि महेश योगी वार्ड में जे.डी.ए. मैदान रविन्द्र नगर में संजीवनी क्लीनिक निर्माण कार्य (चतुर्थ निविदा)	जबलपुर	रु. 24.72 लाख (चौबीस लाख बहत्तर हजार)	04 माह

1. इच्छुक निविदाकर निविदा सूचना (NIT) का विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in में देख सकते हैं।
2. निविदा प्रपत्र दिनांक 13.03.2023 को प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 28.03.2023, सायं 05.30 बजे तक ऑनलाइन क्रय की जाकर निविदा डाली जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री, लोककर्म विभाग, नगर निगम जबलपुर

संपादकीय

विपक्षी एकता की मरीचिका

तमाम पार्टियों के लिए विपक्षी एकता की बात महज एक सियासी दांव है, जिसके जरिए वे भाजपा की सत्ता जारी रहने का दोष अपने माथे से टालना चाहती हैं। इसके आगे वे सिर्फ दूसरे से त्याग की उम्मीद रखती हैं। इसके हिस्से में मौजूदा भारतीय जनता पार्टी के राज से मुक्त होने एक बेसब्री है। इसके बीच वे चाहते हैं कि भाजपा विरोधी दल किसी तरह एकजुट हो जाएं, जिससे 2024 के आम चुनाव में वे अगर सीधे तौर पर भाजपा को हरा नहीं पाएं, तो भी वे कुछ ऐसा कर दें, जिससे उसकी सीटों में ठोस गिरावट आ जाए। लेकिन अगर विपक्षी दलों के रुख पर गौर करें, तो यह साफ होगा कि ऐसी कोई बेसब्री या जल्दबाजी उनके मन में नहीं है। ये दल अपने सामान्य समीकरण और गणनाओं के मुताबिक आगे बढ़ रहे हैं। उन सबकी पहली चिंता यह है कि जितना भी उनका प्रभाव क्षेत्र है, वह बचा रहे। अगर इसमें कुछ बढ़ोतरी हो जाए, तो फिर यह सोने पर सुहागा। इसीलिए जब पिछले साल जुलाई में 17 दलों ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ शिकायत पत्र लिखा, तो आम आदमी पार्टी ने उस पर दस्तखत नहीं किया। अब मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद नौ दलों ने लगभग वैसा ही पत्र प्रधानमंत्री को लिखा है, तो उस पर कांग्रेस, डीएमके और लेफ्ट पार्टियों के दस्तखत नहीं हैं। इनमें राष्ट्रीय जनता दल, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी और शिवसेना को छोड़ दें, तो बाकी दलों में कम से कम चार ऐसे हैं, जो कांग्रेस से उतनी ही दूरी रखना चाहते हैं, जितना भाजपा से। नीतीश कुमार और फारूक अब्दुल्ला भी कब कहां चले जाएं, इसका पूर्वानुमान लगाना किसी के लिए मुश्किल बना रहता है। उधर कांग्रेस विपक्षी एकता में अपनी अपरिहार्यता का एलान करने का कोई मौका नहीं चूकती। इस मामले में डीएमके का साथ उसे मिला है। उधर लेफ्ट पार्टियों की क्या भूमिका होगी, इस बारे में भी कोई स्पष्ट अनुमान नहीं लगाया जा सकता। तो इन स्थितियों के बीच जो सूरत सामने आती है, वो यही है कि तमाम पार्टियों के लिए विपक्षी एकता की बात महज एक सियासी दांव है, जिसके जरिए वे भाजपा की सत्ता जारी रहने का दोष अपने माथे से टालना चाहती हैं। इसके आगे वे सिर्फ दूसरे से त्याग की उम्मीद रखती हैं। इसीलिए विपक्षी एकता असल में एक मरीचिका बनी हुई है।

मानवीय सरोकारों की भारतीय विदेश नीति

यह एक स्थापित तथ्य है कि पश्चिमी देशों, विशेषकर नाटो संधि वाले यूरोपीय देश अमेरिका व ब्रिटेन ने भूकंप प्रभावित तुर्की को तो सहायता देने का वादा किया लेकिन इसी संकट से रूबरू सीरिया को इनमें किसी भी देश द्वारा सहायता नहीं दी गई। सीरिया 2011 से भीषण आंतरिक युद्ध झेल रहा है तथा भूकंप के कारण वहां भी भारी क्षति हुई। सीरिया को मदद न देने का कारण था इस देश के राष्ट्रपति बशर-अल-असद का अमेरिका द्वारा विरोध और राष्ट्रपति के विरोधियों को सहायता। सीरिया के खिलाफ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन यूनियन, कनाडा व स्विट्ज़रलैंड ने भी प्रतिबंध लगाए हैं। लेकिन भारत द्वारा पश्चिमी देशों की सीरिया के विरुद्ध लगाए गए प्रतिबंधों की अनदेखी करते हुए उसे मदद दी गयी।

आर्थिक प्रतिबंधों और गृह युद्ध की मार झेल रहे सीरिया पर जब भूकंप ने भी कहर ढाया तो विकसित देश मानवीय सहायता के लिए आगे नहीं आए। एक अनुमान के अनुसार, सीरिया में भूकम्प से लगभग 3000 लोगों ने जान गंवाई और लाखों बेघर हो गए। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ने तुर्की को भी इस आपदा के समय तुरन्त सहायता प्रदान कर जहां तुर्की के शासकों व लोगों का दिल जीता वहीं पाकिस्तान को भी झटका दिया जो तुर्की का नजदीकी था। भारत में तुर्की के राजदूत फिरत सुनेल ने कहा कि तुर्की भाषा व हिंदी में 'दोस्त' शब्द शामिल है, जिसका अर्थ मित्र है और असली दोस्त वही है जो मुसीबत के समय काम आए। वहीं फिरत सुनेल ने भारत का इस मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि आपदा की सूचना मिलते ही भारत ने तुरन्त राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के दस्ते, जिसमें पुरुष, महिलाएं वह खोजी कुत्ते शामिल थे, के साथ आवश्यक दवाओं की खेप और उपकरण भेजे हैं। तुर्की में इस हादसे के बाद जब भारत ने तुरन्त सहायता सामग्री भेजी तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश की निकटता को दर्शाने के लिए तुर्की जाने का ऐलान कर दिया। लेकिन तुर्की सरकार ने शालीनता के साथ भूकम्प के कारण लोगों के दुख व परेशानियों का हवाला देकर उन्हें वहां न आने को कहा। विनाशकारी भूकंप के कारण तुर्की और सीरिया में मरने वालों की संख्या हजारों में है।

इससे पूर्व भी भारत ने नेपाल, मालदीव और श्रीलंका को भी आपात स्थिति में मानवीय और वित्तीय सहायता प्रदान करने की पहल की थी। यद्यपि नेपाल में वामपंथी सरकार थी, जिसका रवैया भारत विरोधी था लेकिन भारत ने कोविड महामारी से निपटने के लिए नेपाल को 10 लाख इंजेक्शन भेजे थे जिस कारण अनेक लोगों की जान बचाई जा सकी थी। बाद में नेपाल ने भारत में निर्मित को-वैक्सीन को मान्यता प्रदान की और नेपाली सरकार ने भारत का इस कठिन समय में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के लिए आभार व्यक्त किया था। इसी तरह 2004 में जब प्रलयंकारी सुनामी ने मालदीव को तबाह किया था तब भी भारत ने तुरंत अपनी नौसेना के माध्यम से सहायता दी थी।

इसी प्रकार जब सिद्र नामक चक्रवाती तूफान ने नवंबर, 2007 में बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में तबाही मचाई थी तो भारत ने उस समय भी सहायता प्रदान की थी। वर्ष 2008 में जब नरगिस चक्रवाती तूफान ने म्यांमार को क्षति पहुंचाई तो भी भारत वहां की सैन्य सरकार को सहायता देने से नहीं झिझका था। जब श्रीलंका की आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई थी तो मित्र होने का दावा करने वाला चीन सहायता के लिए नहीं आया था जबकि भारत ने उस राष्ट्र द्वारा उठाए लगभग एक अरब डॉलर के ऋण में करीब 40 करोड़ डॉलर योगदान दिया था। इस मानवीय सहायता के कारण श्रीलंका के लोगों की सोच भारत के प्रति बदली क्योंकि इससे पहले चीन के दुष्प्रचार के कारण वहां की सरकार भारत की उपेक्षा कर रही थी।

भारत द्वारा लचीली विदेश नीति अपनाने और जरूरतमंद देशों को तुरन्त मानवीय सहायता प्रदान करने की नीति के कारण धीरे-धीरे भारत की साख बढ़ी है और उन देशों में भारत को अच्छा मित्र माना जा रहा है जबकि चीन की गरीब देशों को दी गयी वित्तीय सहायता और कर्जों के कारण कई राष्ट्र अब वित्तीय संकट से गुजर रहे हैं। इसी प्रकार पाकिस्तान में जब बाढ़ ने तबाही मचाई थी तो चीन के दिशा-निर्देशों पर पाकिस्तान ने भारत की मानवीय सहायता ठुकरा दी थी जिस कारण इस देश के 3 करोड़ से अधिक लोगों को मुसीबतों से जूझना पड़ा और उन्हें लगभग 15 अरब डॉलर की क्षति उठानी पड़ी। अब भी पाकिस्तान जो आर्थिक विनाश के मुहाने पर खड़ा है, भारत से सहायता लेने को तैयार नहीं है। इसका कारण वहां लोकतांत्रिक सरकार के बावजूद सेना का सत्ता पर नियंत्रण है।

भारत ने विश्व के देशों को यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक कूटनीति में भारत स्वतंत्र नीति अपना रहा है। अमेरिका व पश्चिमी देश भी उसके निर्णय को प्रभावित नहीं कर सकते। इसी के चलते भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों की तरह कोई निर्णय नहीं लिया। उसने विश्व को जता दिया कि रूस भारत का दशकों पुराना विश्वसनीय मित्र है जो इस कठिन दौर में भी भारत को सस्ता तेल उपलब्ध करवा रहा है। ताकि देश को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को बिल गेट्स के इस विचार से अवश्य ही संतोष मिला होगा कि 'मौजूदा हालात में भारत उन्हें भविष्य को लेकर सकारात्मक विचार के प्रति आश्वस्त करता है।' गेट्स का कहना था कि भारत निकट भविष्य में विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनेगा और इसी कारण समस्याओं को सुलझाने के लिए भी बड़ी पहल जरूरी होगी।

-केएस तोमर

विकास की विसंगति से उपजी बदहाली

कुछ ही अर्सा पहले एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान ने घोषणा की थी कि भारत शीघ्र ही विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकतों में शुमार हो जायेगा। भारत सरकार के समर्थकों और प्रशंसकों ने इस घोषणा का स्वागत किया था। फिर एक और अंतर्राष्ट्रीय संस्थान ने भारत की सोलह प्रतिशत आबादी के गरीब होने की घोषणा कर दी। फिर एक और ऐसा ही वक्तव्य आया, जिसमें भूख के सूचकांक के संदर्भ में 121 देशों में भारत का स्थान 107वां बताया गया था। यह बात उनको रास नहीं आयी जिन्होंने भारत के आर्थिक ताकत बनने की घोषणा का स्वागत किया था। कहा गया कि इस तरह की बातें करके कुछ तथाकथित वैश्विक संस्थान हमारे भारत की बदनामी करना चाहते हैं। यह तो संभव है कि किसी अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का कोई आकलन ग़लत हो, यह भी संभव है कि कोई संस्थान हमारे देश को बदनाम करना चाहता हो, लेकिन 'कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप' वाली बात नहीं होनी चाहिए। भारत के आर्थिक शक्ति बनने की बात कहने वाली संस्था और भारत की जनता की भूख के आंकड़े देने वाली संस्था, दोनों, विश्व की भरोसेमंद संस्थाएं मानी जाती हैं। हमें ऐसी घोषणाएं करने वालों की नीयत पर शक करने के बजाय इन घोषणाओं से कुछ सीखने की आवश्यकता है। अर्थात्? यह कि ये आंकड़े हमें सावधान भी करते हैं और अपनी स्थिति सुधारने की प्रेरणा भी देते हैं।

गरीबी के आंकड़ों की बात ही कर लें। हमें अच्छा नहीं लगता जब कोई कहता है कि आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी हमारे देश में गरीबों की अच्छी-खासी संख्या है; गरीबी यानी वे जो दो वक्त की रोटी नहीं जुटा पाते। अच्छा है कि हमें यह बात अच्छी नहीं लगती, पीड़ा होती है हमें, होनी भी चाहिए। पर ऐसी बात बताने वाले की नीयत पर शक करने की बजाय हमें सोचना यह चाहिए कि ऐसी स्थिति क्यों है, और कैसे बदल सकते हैं हम इस स्थिति को? यह तभी संभव है जब हम पहले वस्तुस्थिति को स्वीकार करें।

वस्तुस्थिति यह है कि देश की अस्सी करोड़ जनता आज भी भूखी है और हमारी सरकार को उसे मुफ्त खाद्यान्न देना पड़ रहा है। पिछले तीन साल से ये भारतीय सरकारी मदद पर आश्रित होकर जीवन जी रहे हैं। अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त खाद्यान्न देने की इस बात को हमारी सरकार अपनी उपलब्धि मानती है। यह उपलब्धि नहीं, एक विवशता है और शर्मनाक स्थिति है यह। हमें इस बात पर शर्म आनी चाहिए कि देश की इतनी बड़ी आबादी अपनी ज़रूरत का खाद्यान्न अपनी कमाई से जुटाने की स्थिति में नहीं है। हकीकत यह है कि प्रति व्यक्ति आय, बेरोज़गारी, भोजन की उपलब्धि, आवास, सफाई आदि के मानकों को देखते हुए देश की लगभग एक-चौथाई आबादी आज गरीबी का जीवन जी रही है। हाल ही में देश का वार्षिक बजट पेश किया गया था। एक जाने-माने अर्थशास्त्री के अनुसार अपने बजट भाषण में वित्तमंत्री ने सिर्फ दो बार 'गरीब' शब्द का इस्तेमाल किया है! क्या यह स्थिति उस शुतुरमुर्ग वाली बात याद नहीं दिलाती जो रेत में अपना सिर गढ़ा कर यह मान लेता है कि खतरा है ही नहीं?

खतरा हमारे सिर पर मंडरा रहा है। उसकी अनदेखी करके नहीं, उसका मुकाबला करके ही स्थिति सुधारी जा सकती है। यह मुकाबला जानने के पहले हमें जानना होगा कि स्थिति है क्या? स्थिति यह है कि देश का गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और अमीर। देश की कुल संपत्ति का साठ प्रतिशत आज पांच प्रतिशत आबादी के पास है। निचली पचास प्रतिशत आबादी के पास देश की कुल तीन प्रतिशत संपदा है। आर्थिक विषमता की यह खाई विकास के हमारे सारे दावों को अंगूठा दिखा रही है। पिछले 75 सालों में विकास हुआ है, इसमें कोई संदेह नहीं है, पर इस विकास की गति धीमी भी है और यह विकास नितांत अपर्याप्त भी है।

आंकड़े बता रहे हैं कि आज हमारे देश में 43 करोड़ श्रमिक हैं, इनमें आधे से भी कम लोगों के पास रोज़गार है। जहां तक स्वास्थ्य का सवाल है, देश की आधी से अधिक महिलाओं के शरीर में खून की कमी है। छह महीने से लेकर 23 माह के बच्चों में से सिर्फ ग्यारह प्रतिशत बच्चों को ही पूरा भोजन मिल रहा है। देश के लगभग एक-तिहाई बच्चे अपर्याप्त वजन वाले हैं। सरकार दावे कर रही है कि हर घर में नल पहुंचा दिया गया है, शौचालय बना दिये गये हैं, हर गांव में स्कूल बन गये हैं, प्राथमिक से लेकर उच्चतम स्तर तक की शिक्षा-व्यवस्था हो चुकी है। पर हकीकत क्या है?

आज देश के स्कूलों की स्थिति यह है कि सवा लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक पहली से पांचवीं तक के बच्चों को पढ़ा रहा है और आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों की स्थिति यह है कि वहां पर्याप्त अध्यापक नहीं हैं- 8153 स्वीकृत स्थानों में 3253 स्थान रिक्त पड़े हैं यानी पर्याप्त पढ़ाने वाले ही नहीं हैं। नये-नये आईआईटी और आईआईएम बनाये जाने की घोषणाएं तो हो रही हैं, पर हकीकत यह है कुछ ही अर्सा पहले तमिलनाडु में एक 'एम्स' बना दिये जाने की घोषणा हुई थी। विधानसभा में घोषणा तो हो गयी पर अभी 'एम्स' की चारदीवारी भी नहीं बनी थी!

कथनी और करनी का यह अंतर कब मिटेगा? दिसंबर-2022 में देश में बेरोज़गारी की दर आठ प्रतिशत थी; शहरी भारत में 10.09 प्रतिशत और ग्रामीण भारत में 8.3 प्रतिशत। प्रतिशत में बात पूरी समझ नहीं आती। सीएमआईई के अनुसार हमारे भारत में आज 5.3 करोड़ लोगों के पास रोज़गार नहीं है। इनमें से 3.5 करोड़ लोग लगातार काम खोज रहे हैं। डेढ़ करोड़ से अधिक लोग ऐसे हैं जो काम करना तो चाहते हैं, पर एक्टिव होकर काम की तलाश नहीं कर रहे अर्थात्? वे लोग बुरी तरह निराश हो चुके हैं।यह निराशा किसी एक क्षेत्र में नहीं है। स्थिति गंभीर है। इस गंभीरता को समझा जाना ज़रूरी है। सवाल बेरोज़गारी का हो या महंगाई का; स्वास्थ्य का हो या पढ़ाई का, उत्तर स्थिति की गंभीरता को समझकर ईमानदार कोशिश में ही निहित है। जुमले उछालने से बात नहीं बनेगी। आज हम दुनियाभर के उद्योगों को भारत आने का निमंत्रण दे रहे हैं, उद्योगों के आने की घोषणाएं भी हो रही हैं। अच्छी बात है यह। पर क्या यह भी एक हकीकत नहीं है कि पिछले आठ सालों में हर साल औसतन एक लाख से अधिक भारतीय देश छोड़कर कर चले गये हैं? ये काम की तलाश वाले नहीं हैं, पढ़े-लिखे योग्य लोग हैं जिन्हें विदेश अपने देश से ज़्यादा प्यारा लग रहा है। आखिर क्यों? कौन देगा उत्तर इस 'क्यों' का?

-विश्वनाथ सचदेव

आपका राशिफल 11 मार्च

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

फिल्म वर्ग पहेली - 6099

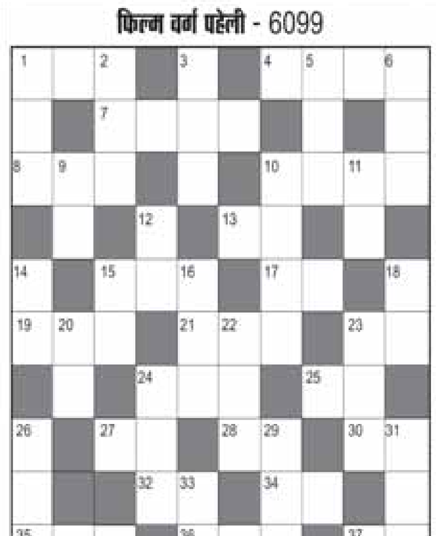

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्वीट ड्रीम मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गाले मुस्कुराले' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरे तेरा मुखड़ा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रज़ामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, हिम्मत की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, ईशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तस्वीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखो भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नैनों को' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बाजार' में अक्षय की नायिका-३
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमसिन लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आंखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6098

Jagrutidaur.com, Bangalore

चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखेंगे ये फल

गर्मियों के मौसम में शरीर से अधिक पसीना आने से पानी की कमी होने का खतरा रहता है। इसके अलावा लू लगने की भी संभावना रहती है। ऐसे में बॉडी को हाइड्रेटेड रखने के लिए लोग नारियल पानी, छाछ, लस्सी आदि का सेवन करते हैं। मगर आप चाहे तो डेली डाइट में कुछ पानी से भरपूर फलों को शामिल कर सकते हैं। इनके सेवन से आपकी बॉडी में पानी की कमी पूरी होने के साथ शरीर व पेट में ठंडक का एहसास होगा। साथ ही लू लगने से बचाव रहेगा। चलिए जानते हैं इन फलों के बारे में...

आम गर्मियों में मिलने वाले आम को फलों का राजा कहा जाता है। यह खाने में टेस्टी होने के साथ पोषक तत्व, मिनरल्स और एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। आप पके आप को काटकर खाने के अलावा इससे जूस, स्मूदी, लस्सी, शेक आदि बनाकर पी सकते हैं। इसके अलावा कच्चे आम का पन्ना लोग गर्मियों में खासतौर पर पीाा पसंद करते हैं। इससे शरीर को सभी जरूरी तत्व मिलने के साथ पानी की कमी से बचाव रहता है। साथ ही लू लगने का खतरा भी कम रहता है।

लोग गर्मियों में खासतौर पर तरबूज खाना पसंद करते हैं। इसमें अधिक मात्रा में पानी होने से डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव रहता है। बॉडी दिनभर हाइड्रेटेड रहने के साथ पेट में ठंडक बनी रहती है।

खरबूजा खरबूजा भी गर्मियों में मिलने वाला फल है, जिसे लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। इसमें सभी जरूरी तत्व व अधिक मात्रा में पानी होता है। ऐसे में इसका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी पूरी होने के साथ पेट को ठंडक का एहसास होता है।

अंगूर अंगूर विटामिन, फाइबर, आयरन, कार्बोहाइड्रेट, सोडियम व अन्य पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। इसके सेवन से डिहाइड्रेशन की समस्या दूर होने के साथ पेट व शरीर को ठंडक मिलती है। अंगूर खाने से इम्यूनिटी तेजी सी बूस्ट होती है और दिनभर एनर्जेटिक रहने में मदद मिलती है। आप गर्मियों में अंगूर, इसका जूस, कसटर्ड आदि बनाकर डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मौसंबी गर्मी में लू के खतरे से बचने के लिए आप डेली डाइट में मौसंबी शामिल कर सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी पूरी होने के साथ ठंडक मिलती है। साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट होने से बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा।

आलूबुखारा गर्मियों में मिल` वाला आलूबुखारा पोषक तत्वों, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। इसमें मौजूद विटामिन सी से लू लगने व इंफेक्शन का खतरा कम रहता है। फाइबर से भरपूर आलूबुखारा खाने से पाचन से जुड़ी समस्याएं दूर रहती है। इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ शरीर को ठंडक का एहसास होता है।

सूडोकु नवताल- 6613

★★★ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6612 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

विचार प्रवाह

बहुएं: अगर आप अपने परिवार में सुख शांति चाहती हैं तो मेरी दो बातों का ध्यान रखें। एक सास के सामने कुछ बोलो मत। तुम्हारा बोलना आग में घी का काम करेगा। दो सास कुछ कहे वह चुपचाप कर दें। सासुओं की एक ही शिकायत है कि बहू उन्हें पूछती नहीं।अब भैंस की ही पूंछ थोड़ी न होती है सास की भी होती है। सास को पूछ पूछ कर उसकी पूंछ सहलाती रहो।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7651

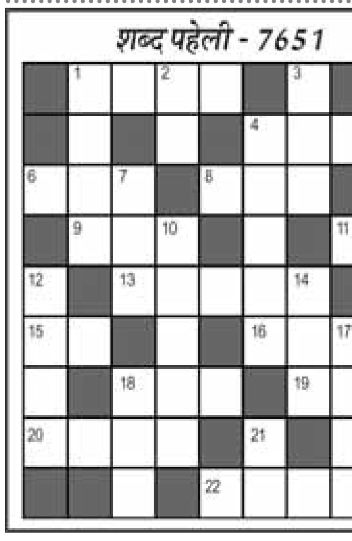

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहज़ीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -7650 का हल

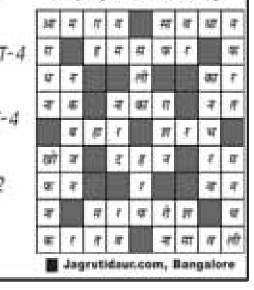

Jagrutidaur.com, Bangalore

अब दो बाघ ही छोड़ेंगे सीएम और सिंधिया

तीसरी बाघिन आज नहीं पहुंचेगी

■ भोपाल, यशभारत।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया अब माधव राष्ट्रीय उद्यान में तीन नहीं, बल्कि दो बाघ ही छोड़ेंगे। पन्ना से जो मादा बाघ लाई जाना थी उसे कार्यक्रम तक लाया जाना संभव नहीं होगा। अधिकारी सुबह तक बाघिन के न मिलने की बात कह रहे हैं। वहीं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्ना में बाघिन को ढूंढ लिया गया है, लेकिन उसके शरीर पर घाव बताया जा रहा है जिसके कारण उसे आज लाया जाना संभव नहीं होगा। ऐसे में अब बांधवगढ़ से लाई गई एक मादा और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से लाए गए एक बाघ को ही बाड़े में छोड़ा जाएगा। इस पूरे प्रकरण में पन्ना टाइगर रिजर्व की गंभीर लापरवाही सामने आई है। वहां पर मादा बाघ को पहले से एनक्लोजर में नहीं रखा गया। अधिकारी उसे सेटेलाइट कालर के जरिए पकड़कर टेंकुलाइज करने की तैयारी में थे, लेकिन अंतिम समय पर बाघिन की लोकेशन नहीं मिली। मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों को फिर से बसाने का

प्रयोग सफल होने के कई वर्षों बाद अब शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय उद्यान भी इसका गवाह बनने जा रहा है। यहां 26 वर्ष बाद बाघों की दहाड़ सुनाई देगी।

10 मार्च को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया दो मादा और एक नर बाघ को यहां छोड़ेंगे। शुरू में बाघ बलारपुर रेंज में बनाए गए विशेष बाड़े में रहेंगे। खुले में विचरण के लिए यहां पांच बाघ छोड़े जाने की अनुमति राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से प्राप्त हुई है।

15 दिन बाड़े में रहेंगे बाघ

पहले चरण में यहां सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से एक नर बाघ और पन्ना व बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक-एक मादा बाघ लाए जा रहे हैं। ये करीब 15 दिन बाड़े में रहेंगे और फिर इन्हें खुले में विचरण के लिए छोड़ दिया जाएगा।

बाघ विहीन हो गया था पन्ना टाइगर रिजर्व

बता दें, पन्ना टाइगर रिजर्व भी बाघ विहीन हो गया था, लेकिन 2009 में यहां बाघ पुनर्स्थापना योजना शुरू की गई और अब यहां करीब 78 बाघ हो गए हैं। माधव राष्ट्रीय उद्यान में 1997 तक बाघ थे। जब यहां 20 मादा बाघ प्रजनन योग्य हो जाएंगी तब पुनर्स्थापना को सफल मान लिया जाएगा। भविष्य में रणथंभौर, शिवपुरी और पन्ना को जोड़कर एक पर्यटन सर्किट बनाने की योजना भी है। वर्ष 1989 में कांग्रेस नेता स्व. माधवराव सिंधिया की पहल पर यहां टाइगर सफारी स्थापित की गई थी। इसमें नर बाघ पेटू और मादा बाघ तारा को लाया गया था। तारा-पेटू को राष्ट्रीय उद्यान ऐसा रास आया कि कुछ ही समय में यहां बाघों की संख्या 11 हो गई। बाद में तारा नरभक्षी हो गई।इसके बाद जू अथारिटी आफ इंडिया ने इस टाइगर सफारी को बंद करने का निर्णय लिया और वर्ष 1995 तक सभी बाघों को अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में शिफ्ट कर दिया गया। वर्ष 1997 में रणथंभौर से एक बाघ आकर यहां बाड़े में फंस गया था। उसे कान्हा राष्ट्रीय उद्यान की टीम ने बाहर निकाला था।

आब्जर्वर तैनात,परीक्षा केंद्रों पर ही कंट्रोल रूम बनाकर की मॉनिटरिंग

40प्रश कम हुए नकल के केस

■ भोपाल, यशभारत।

पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों के स्टूडेंट सेमेस्टर परीक्षाओं के दौरान बड़ी संख्या में नकल करते पकड़े जाते हैं। इस पर नकेल कसने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड धरपक? करती थी, बावजूद इसके नकल के मामलों में कमी नहीं आ रही थी। इसको देखते हुए राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि (आरजीपीवी) ने परीक्षा केंद्रों पर ही कंट्रोल रूम बनाए।

हर एग्जाम रूम में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए और कंप्यूटर मॉनीटर पर आब्जर्वर तैनात किए।

नतीजा ये हुआ कि नकल के मामलों में 40त्न तक की कमी आई है। पॉलिटेक्निक की डिप्लोमा परीक्षा जो जनवरी-फरवरी में आयोजित हुई थी, उसमें इस बार 280 नकल के केस सामने आए, पिछली बार यह आंकड़ा 450 का था। इसी तरह डिग्री परीक्षाओं में भी 360 नकल के मामले सामने आए, जो पिछली बार 650 थे।

जब स्टूडेंट्स को कंट्रोल रूम की जानकारी हुई तो वे भी सतर्क हुए और नकल के मामलों में कमी आई। अगर कोई परीक्षार्थी किसी एक पेपर में नकल करते हुए पकड़ा गया और उसके पास से कोई पर्ची मिली है, जो संबंधित सब्जेक्ट से जुड़ी है तो उसके सभी पेपर कैंसिल होते हैं। मिली नकल में भले ही प्रश्नपत्र के सवाल का हल हो या नहीं हो। सवाल अगर उस विषय से संबंधित है तो इसे यूएफएम (अनफेयर मीन्स) की श्रेणी में रखा जाता है।

नकल के लिए तरह-तरह के हथकंड़े अपनाते हैं स्टूडेंट

अधिकारियों ने बताया कि नकल करने के लिए स्टूडेंट्स तरह तरह के हथकंड़े अपनाते है। इन परीक्षाओं में स्टूडेंट्स के पास से ब्लूटूथ डिवाइस, हेड फोन, मोबाइल आदि भी मिले हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेजों की परीक्षा में स्टूडेंट्स जूते-मोजे में नकल की पर्ची छिपाकर लाए। शर्ट के बांहों के नीचे नोट लिखकर नकल करते भी पकड़े गए। कई बार पेन के भीतर भी पर्ची बनाकर छात्र नकल करते मिले हैं।जहां परीक्षा हो रही है वहां सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य हैं। कंट्रोलरूम में भी एक ऑब्जर्वर को केवल मॉनिटरिंग के लिए बैठाया जाता है। जो स्टूडेंट्स को वॉच करता है।

7 साल बाद इस बार मार्च का पहला हफ्ता सबसे ज्यादा बारिश वाला रहा

14 से 20 तक फिर बारिश-ओले गिरने के आसार

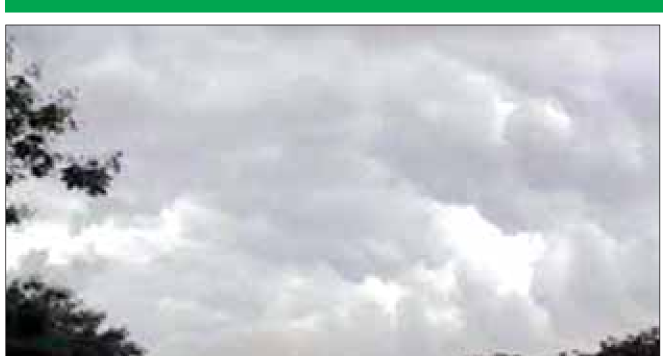

■ भोपाल, यशभारत।

भोपाल में मार्च का पहला सप्ताह (1 मार्च से 8 मार्च तक) बीते 7 साल में सबसे ज्यादा बारिश वाला रहा। बीते 3 दिन में ही पूरे भोपाल में 7 मिमी और शहर में सबसे ज्यादा 15.4 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 2015 में दो दिन में सबसे ज्यादा आधा इंच बारिश हुई थी। अब एक बार फिर बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि नया वेस्टर्न डिस्टर्बन्स 13 मार्च से एक्टिव हो जाएगा। भोपाल में इसका असर 14 मार्च से बादल और बारिश के साथ दिखाई देने लगेगा। नॉर्थ वेस्ट सर्कुलेशन बनने से 14 से 20 मार्च तक भोपाल में अच्छी बारिश के आसार बन रहे हैं, क्योंकि नया वेस्टर्न डिस्टर्बन्स अभी तक की स्थिति में स्ट्रॉन्ग बना हुआ है। इसके साथ ही ओलावृष्टि की भी संभावना है।

11 साल में चौथी बार औसतन तापमान सबसे ज्यादा रहा

औसत तापमान की बात की जाए तो 11 साल में चौथी बार मार्च में यह सबसे ज्यादा औसत तापमान वाला पहला सप्ताह रहा। 1 मार्च से लेकर 8 मार्च तक औसतन तापमान सबसे ज्यादा 27.1 डिग्री और सबसे कम 21.9 डिग्री रहा। 2018 में सबसे ज्यादा 29.6 और सबसे कम 24.0 डिग्री, 2016 में 27.6 और 24.9 और साल 2021 में 27.3 और 24.1 डिग्री, जबकि 2012 में सबसे ज्यादा 25.6 और सबसे कम 18.6 डिग्री दर्ज किया गया था। पांडे ने बताया कि शुक्रवार को हल्के बादल रह सकते हैं और शाम तक कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। शुक्रवार से लेकर 13 मार्च तक मौसम शुष्क रहेगा।

इस महीने शुरू हो जाएगा स्क्रैप सेंटर,

15 साल पुरानी गाड़ी स्क्रैप कराने के बाद 8 लाख तक की नई गाड़ी

■ भोपाल, यशभारत।

स्क्रैप पॉलिसी के तहत भोपाल के बिलखिरिया में स्क्रैप सेंटर इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। स्क्रैप पॉलिसी के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति अपनी 15 साल पुरानी चार पहिया गाड़ी स्क्रैप कराता है और इसके बाद 8 लाख तक कीमत की नई गाड़ी खरीदता है तो उसे लगभग 60 हजार रुपए तक की छूट मिल सकेगी। दरअसल केंद्र सरकार के निर्देश पर सड़क परिवहन मंत्रालय की स्क्रैप पॉलिसी मध्य प्रदेश में लागू की जा रही है। पहले चरण में 1 अप्रैल से 15 साल पुराने सरकारी वाहनों को स्क्रैप करवाया जाएगा। बिलखिरिया के आदमपुर क्षेत्र में यह सेंटर एक प्राइवेट इंफ्रा स्ट्रक्चर कंपनी खोलने जा रही है।छूट का गणित- वाहन की कीमत, रजिस्ट्रेशन और रोड टैक्स पर मिलेगी रियायतअभी प्रदेश में 15 साल पुराने वाहनों में वैन, एंबेस्डर, बोलेरो, फिएट, व्हील्स जीप, महिंद्रा जीप जैसी एक दर्जन से ज्यादा विभिन्न कंपनियों की गाड़ियां हैं। इन्हें सेंटर पर स्क्रैप करवाने पर इस तरह गणित बनेगा। गाड़ी स्क्रैप करवाने पर प्लास्टिक, लोहे का सामान 20 से 27 हजार रुपए में बिकेगा।खरीदी जा रही नई गाड़ी यदि 8 लाख रुपए तक की है, तो वाहन डीलर के यहां से 5प्रश यानी 4000 रुपए की रियायत मिल सकेगी।

अब तक 45 ट्रेनों में स्लीपर-जनरल की जगह

111 एसी इकोनॉमी और एसी-3 कोच लगाए गए

■ भोपाल, यशभारत।

45 ट्रेनों में से स्लीपर श्रेणी एवं जनरल कोच हटाए जाने से इन गाड़ियों में अब 200 तक वेटिंग चल रही है। रेलवे के इस फैसले से आम यात्रियों पर आर्थिक भार ब?ा है। उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में अधिकतम 40 फीसदी तक अतिरिक्त किराया देकर इकानॉमी या एसी-3 श्रेणी में रिजर्वेशन लेकर सफर करना पड़ रहा है। डीआरएम सौरभ बंदोपाध्याय का दावा है कि लोगों की पेइंग कैपेसिटी बढ़ी है, जिस वजह से ट्रेनों में स्लीपर व जनरल की संख्या कम कर एसी इकोनॉमी और एसी-3 श्रेणी के कोच लगाए जा रहे हैं। गरीब रथ के अलावा लंबी दूरी की ट्रेनों कोयंबटूर एक्सप्रेस, जीटी, केरल, प्रतापगढ़, जम्मूतवी, लखनऊ-पुणे सहित भोपाल रेल मंडल व पश्चिम-मध्य जोन से गुजरने वाली 45 ट्रेनों में 111 एसी इकानॉमी या एसी-3 श्रेणी के कोच एक साल में अब तक लगाए जा चुके हैं। जैसे-जैसे इनका प्रोडक्शन बढ़ रहा है, संख्या भी ट्रेनों में बढ़ाई जा रही है। ऐसे ही यह कोच लगातार बढ़ाए जाते रहे तो अगले तीन साल में ट्रेनों में जनरल कोच की संख्या नाममात्र की रह जाएगी। वहीं, जिन ट्रेनों में 12 तक स्लीपर श्रेणी के कोच लगाए जाते थे, वह भी आधे रह जाएंगे। रेल मंडल की उपयोगकर्ता व सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य निरंजन वाधवानी का कहना है कि ट्रेनों में स्लीपर व जनरल कोच कम नहीं किए जाना चाहिए।

दोगुना तक बढ़जाता है किराया

उदाहरण के लिए जीटी एक्सप्रेस की स्लीपर श्रेणी में भोपाल से नागपुर तक का सफर करने पर 550 रुपए लगते हैं। एसी इकोनॉमी कोच में ये ही सफर 930 रुपए का पड़ रहा है। इस तरह करीब दोगुना तक किराया इकोनॉमी कोच में सफर करने पर आम यात्री को भुगतना पड़ रहा है।

बर्थ ज्यादा हैं

एसी इकानॉमी श्रेणी के कोचों में बर्थ संख्या सामान्य एसी-3 श्रेणी से ज्यादा होती है। एसी-3 श्रेणी में बर्थ संख्या 64 होती है, जबकि इकोनॉमी कोच में 68 से 70 तक होती है। इस वजह से एसी-3 के मुकाबले यात्रियों को ज्यादा रिजर्व बर्थ मिल जाती हैं।

रेल अधिकारियों ने एसी इकोनॉमी कोच लगने के बाद स्लीपर श्रेणी में वेटिंग बढ़ने की बात स्वीकार की है। उनका कहना है कि लोगों ने संबंधित ट्रेनों में लगने वाले एसी इकोनॉमी कोचों में रिजर्वेशन करवाना शुरू कर दिया है। हालांकि स्लीपर कोच की संख्या कम होने से वेटिंग की नौबत जल्दी आ जाती है।

न्यूज ब्रीफ

मध्य प्रदेश के नेता और दो दोस्तों की गोवा में दो कालगर्ल ने की पिटाई,

■ भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के एक नेता और उनके दो दोस्तों की गोवा में दो कालगर्ल ने जमकर पिटाई कर दी। वे कालगर्ल की सेवाएं लेने के बाद उनका पैसा चुकाए बिना ही होटल से निकलने की फिराक में थे। कालगर्ल को यह समझ आ गया। उन्होंने तीनों को घेर लिया और पिटाई कर दी।इसमें से नेता प्रदेश के पूर्व मंत्री बताए जा रहे हैं। हालांकि, इस मामले में कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है। घटना छह मार्च की कैलंगुटे बीच के एक होटल की बताई जा रही है। इंटरनेट मीडिया पर घटना से जुड़ी जानकारी बहुप्रसारित हुई, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें लगाई जाती रहीं। बताया जा रहा है कि नेता ने दलाल के माध्यम से मुंबई से दो कालगर्ल बुलाई थी। दलाल से बातचीत में तय समय से पहले कालगर्ल जाने लगीं तो नेता व उनके दोस्तों का कालगर्ल और दलाल से विवाद हुआ। शुल्क चुकाने की बारी आई तो नेता ने कहा कि उन्होंने दलाल के खाते में आनलाइन राशि ट्रांसफर की है। दलाल ने कहा, उसे राशि नहीं मिली। इसी बीच नेता होटल की ऊपरी मंजिल में किराये पर लिए एक कमरे में छुप गए, जिन्हें कालगर्ल ने खोज कर पिटाई शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि मारपीट में होटल का भी कुछ सामान टूटा है। उस दौरान नेता व उनके दोस्त नशे में थे। इस घटना को लेकर जब कैलंगुटे पुलिस थाने के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने से इंकार किया है। संबंधित नेता का नाम अब तक उजागर नहीं हो पाया है।

एसीपी के वाहन ने मोपेड सवार दंपती को मारी टक्कर , महिला घायल

■ भोपाल, यशभारत।

एसीपी गोविंदपुरा आदित्य तिवारी के शासकीय वाहन चालक ने मोपेड सवार दंपती को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला को चोट आई है। जबकि उनका पति मामूली रूप से घायल हो गया। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। बताया गया है कि पंचशील नगर के पास लोगों ने उसे रोक लिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर कमला नगर थाना पुलिस ने चालक के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली है। कमला नगर थाना प्रभारी अनिल वाजपेयी के मुताबिक रजनी आरसे कमल नेहरू नगर में योगा मंदिर के पास रहते हैं। गुरुवार दोपहर दंपती मोपेड पर सवार होकर मार्केट जा रहे थे। रास्ते में रिवेयरा टाउन के सामने पीछे से एसीपी गोविंदपुरा के चालक (आरक्षक) हरीशचंद्र साहू ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दंपती की मोपेड अनियंत्रित हो गई,इससे दंपति गाड़ी समेत सड़क पर गिर गए। हादसे में रजनी के हाथ में चोट आई है। प्राथमिक उपचार के बाद पुलिस ने रजनी की रिपोर्ट पर आरक्षक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हादसे के एसीपी के चालक ने वाहन को आगे बढ़ा दिया। वह लिंक रोड नंबर तीन की ओर भागा।

एप्रिन इससे रनवे जल्द खाली होगा, फ्लाइट्स भी बढ़ेंगी

राजा भोज एयरपोर्टएयरपोर्ट पर बनेंगे 16 पैरेलल टैक्सी-वे

■ भोपाल, यशभारत।

राजा भोज एयरपोर्ट पर बोइंग और बड़ी एयरबस चलना प्रस्तावित है। इसके लिए एक्सपेंशन प्लान पर काम शुरू हो गया है। इसके तहत अब यहां 16 पैरेलल टैक्सी-वे और इतने ही एप्रिन बनाए जाएंगे। इनके बनने से रन-वे पर उतरने वाली फ्लाइट की स्पीड बीच में जहां कम होगी, वहीं से वह पैरेलल टैक्सी-वे में होती हुई एप्रिन में पहुंच जाएगी। इससे रन-वे जल्दी खाली होगा और एक के बाद एक फ्लाइट की लैंडिंग होती रहेगी। राजा भोज एयरपोर्ट के डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि पैरेलल टैक्सी-वे और एप्रिन बनने से

बोइंग और बड़ी एयरबस से संचालित होने वाली फ्लाइट्स की संख्या भी बढ़ेगी। हाल ही में एयरपोर्ट प्रबंधन ने एक्सपेंशन प्लान के लिए एयरोड्रम कमेटी की सहमति मिलने के बाद उसे एयरपोर्ट अथॉरिटी को भेजने का निर्णय लिया है। देश के मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई जैसे एयरपोर्ट का लोड कम करने भोपाल, इंदौर जैसे मॉडर्न एयरपोर्ट्स पर टैक्सी-वे, एप्रिन की संख्या बढ़ाकर एक्सपेंशन प्लान लाया जा रहा है। इससे अगले 25 सालों की जरूरतें पूरी हो सकेंगी।

खरीदे जा रहे हैं एयरक्राफ्ट

एअर इंडिया और इंडिगो द्वारा देशभर में फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाने के लिए बोइंग, एयरबस आदि की खरीदी के आर्डर दिए हैं।इस साल दोनों ही एयरलाइन्स कंपनियों को बड़े एयरक्राफ्ट मिल जाएंगे। इसको देखते हुए राजा भोज एयरपोर्ट प्रबंधन ने भी नए एप्रिन और पैरेलल टैक्सी-वे बनाने का प्लान लांच करने का निर्णय लिया है। इंटरनेशनल एयरपोर्टराजा भोज एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू करने के लिए टर्मिनल बिल्डिंग में काउंटर बढ़ाने समेत कई काम पूरे हो गए हैं।इसकी रिपोर्ट भी बन रही है।इसे प्रबंधन अगले सप्ताह कस्टम डिपार्टमेंट को भेजेगा।वहां से अनुमति मिलते ही एयरपोर्ट को इंटरनेशनल घोषित कर दिया जाएगा।

शिवराज ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

बोले - विदेश में जाकर बच्चों की तरह रोते हैं

■ भोपाल, यशभारत।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पिछले दिनों लंदन में दिए गए कुछ बयानों को लेकर देश में सियासी बवाल मचा है। इस मसले पर भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ हमलावर है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस मुद्दे को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा और उनकी हरकतों को बचकाना करार दिया। गुरुवार सुबह उन्?होंने राजधानी के स्?मार्ट पार्क में पौधारोपण के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि मुझे कांग्रेस के नेतृत्व पर तरस आता है। राहुल गांधी विदेश जाकर रोते हैं। उनकी देश में कोई सुनता नहीं। ऐसी बचकानी बात करते हैं कि देश का सिर शर्म से झुक गया। एक बच्चे की तरह रो रहे हैं कि हमें यह नहीं करने दिया जा रहा है। जो कुछ कहना है, देश की जनता के बीच कहें।सीएम शिवराज ने आगे कहा कि मैंने यह बात पहले भी कही है कि जब मैं 2014 के पहले विदेश गया था, तब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। उस समय वाशिंगटन डीसी में पत्रकारों ने मुझसे पूछा था कि आप के प्राइम मिनिस्टर अंडर अचीवर हैं? इस पर मेरा जवाब था- भारत का प्रधानमंत्री कभी अंडर अचीवर नहीं हो सकता। वे कांग्रेस के नहीं, भारत के प्रधानमंत्री हैं। अब इस तरह से विदेश में जाकर रोना कांग्रेस के नेतृत्व की पराजित, हताश और निराश मानसिकता को दर्शाता है।

कांग्रेस के राजभवन घेराव को लेकर यह बोले

13 मार्च को प्रदेश कांग्रेस राजभवन का घेराव करने की तैयारी कर रही है। इसको लेकर सीएम शिवराज ने कहा कि वे (कांग्रेस) विधानसभा में बात करते नहीं, बात करते भी हैं तो उटपटांग बातें करते हैं। अब राजभवन पर प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस अपने असर, प्रभाव के साथ-साथ समझ को भी पूरी तरह से खो चुकी है।

दो विदेश यात्राएं कीं, अब अफसरों ने नकारे डॉक्यूमेंट्स

बोले- पासपोर्ट पर गलत नाम, अफसर गलती सुधारने के बजाय बोले- डॉक्यूमेंट्स में नाम बदलवा लो

■ भोपाल, यशभारत।

भोपाल का एक शख्स 10 साल पहले पासपोर्ट पर दो विदेश यात्राएं कर आया। अब जब पासपोर्ट रिनुअल की बारी आई, तो अफसरों दिए गए डॉक्यूमेंट्स नकार दिए। अफसरों ने कहा- डॉक्यूमेंट्स और पासपोर्ट में दर्ज नाम में अंतर है। अब अफसरों ने पासपोर्ट में करेक्शन करने के बजाय डॉक्यूमेंट्स सुधारने की सलाह दी है। मामला भोपाल के पासपोर्ट ऑफिस का है। यहां रहने वाले आशीष सोलंकी ने 10 साल पहले पासपोर्ट बनवाया था। वह इसी पासपोर्ट के आधार पर मकाऊ और हांगकांग की यात्रा कर चुके हैं। यह पासपोर्ट दो साल पहले एक्सपायर हो गया। हाल में उन्होंने रिन्युअल के लिए आवेदन किया। इसे पासपोर्ट ऑफिसर ने रीशेड्यूल कर दिया है। पूछने पर बताया- पासपोर्ट और दस्तावेजों में दर्ज नाम अलग- अलग हैं। दोनों दस्तावेजों में दर्ज नाम के अंतर को ठीक कराने के लिए

पासपोर्ट ऑफिसर को आवेदन किया। उन्होंने पहचान संबंधी दस्तावेजों में दर्ज नाम पासपोर्ट रिकॉर्ड में दर्ज करने के बजाय, गलत नाम को ही दस्तावेजों में दर्ज कराने की सलाह दी है। वहीं, मामले में रीजनल पासपोर्ट ऑफिसर (आरपीओ) शीतांशु चौरसिया का कहना है कि यह पासपोर्ट गुजरात से इश्यू हुआ है। हमारे सिस्टम में हर तरह के मामलों के लिए समाधान के लिए कई चैनल हैं।

गुजरात से बनाया गया था पासपोर्ट

आशीष सोलंकी ने बताया कि साल 2010 में उन्होंने गुजरात में पासपोर्ट बनवाया था। इस दौरान आशीष सोलंकी के नाम की डॉक्यूमेंट्स सबमिट किए थे। जब पासपोर्ट आया, तो उसमें नाम आशीष सम्मान सिंह सोलंकी दर्ज था। लगा कि पासपोर्ट में पिता का नाम साथ में आता होगा, क्योंकि मुझे इस बारे में जानकारी नहीं थी। दूसरी तरफ गुजरात में बच्चों के नाम साथ पिता का नाम लिखा भी जाता था, इसलिए आपत्ति भी नहीं ली।

दो देशों की यात्रा की

आशीष कहते हैं कि साल 2010 में मकाऊ और हांगकांग की विदेश यात्रा मैंने की है। तब इसी पासपोर्ट और इन्हीं डाक्यूमेंट्स को वैध माना गया। अब जब पासपोर्ट रिन्यू कराने का आवेदन किया, तो पासपोर्ट दफ्तर के अफसरों ने दस्तावेजों में और पासपोर्ट में नाम अलग-अलग बताकर फॉर्म को री-शेड्यूल कर दिया। यही नहीं, अब अफसर पासपोर्ट पर दर्ज नाम को ही दस्तावेजों में दर्ज कराने की सलाह दे रहे हैं।

डॉक्यूमेंट्स पर नाम चेंज करवाने का बना रहे दबाव

आशीष बताते हैं कि अब अफसर कह रहे हैं कि आपको दो डॉक्यूमेंट्स में आशीष सोलंकी नाम को बदलकर आशीष सम्मान सिंह सोलंकी करवाना पड़ेगा।

शिक्षकों को 15 मार्च तक टैबलेट खरीदकर कराना है सत्यापन

■ भोपाल, यशभारत।

सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे पहली से पांचवीं के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए प्रदेश के एक लाख 72 हजार शिक्षकों को दस हजार रुपये का टैबलेट खरीदना हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें अग्रिम राशि नहीं दी जा रही है। जब शिक्षक टैबलेट खरीदकर उसका रसीद विभाग के पोर्टल पर अपलोड करेंगे, तब उन्हें राशि का भुगतान किया जाएगा।अब तक प्रदेश के 20 से 25 हजार शिक्षकों ने ही टैबलेट खरीदा है।अब विभाग ने शिक्षकों की कम संख्या को देखते हुए 15 मार्च तक का समय टैबलेट खरीदने के लिए दिया है। अब शिक्षकों के पास पांच दिन का समय शेष है। ऐसे में उन्हें टैबलेट खरीदकर सत्यापन भी विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसी) से कराना है।इस संबंध में गुरुवार को राज्य शिक्षा केंद्र ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं।वहीं शिक्षकों का कहना है कि दस हजार रुपये में टैबलेट अच्छी क्वालिटी का नहीं मिल रहा है, जबकि विभाग ने बीआरसी को टैबलेट खरीदने के लिए 15 हजार रुपये दिए है। दोनों टैबलेट बराबर फीचर के हैं, फिर दस हजार में उच्च गुणवत्ता का नहीं मिल रहा है। दिशा-निर्देश में लिखा है कि प्रत्येक जिले में दो दिवसीय कैंप 11 व 12 मार्च को लगाया जाए। शिक्षकों द्वारा खरीदे गए टैबलेट का सत्यापन करना है। साथ ही विभाग के एप और पोर्टल को भी डाउनलोड करना होगा।

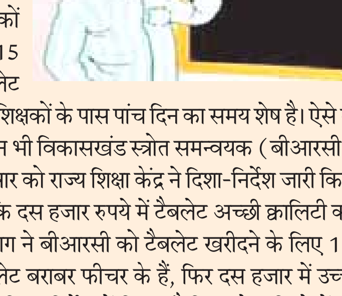

धूमधाम से मनाई गई होली जमकर उड़े रंग और गुलाल

बेलखाडू , यशभारत। होली के अवसर पर मंगलवार को बेलखाडू मे कई स्थानों पर होलिका दहन किया गया। एवं बेलखाडू चौराहे पर होली के अवसर पर धूमधाम से होलिका दहन कार्यक्रम रखा गया एवं ग्राम मोहास बघोडी हरदुआ खैरी नगना पौड़ी झगरा भर्रा पटेरा आदि ग्रामौ मे लोग सुबह से ही होलिका दहन करने की तैयारियों में जुट गए थे शाम को युवा लड़कों द्वारा कंडे लकड़ी एकत्रित कर होली को सुंदर रूप से सजाया गया। रात लगभग 10 बजे ग्राम वासियों द्वारा होलिका दहन किया गया एवं सुबह होते ही होली के पर्व में बच्चों के साथ बड़े भी होली की मस्ती में डूबे दिखाई दिए। होली खेलने में महिलाएं व युवतियां भी पीछे नही रहीं। उन्होंने भी घर का काम निपटाकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी । होली के पर्व के चलते घरों में पकवान बनने का सिलसिला भी चलता रहा। वही गांव की गली गली में जाकर लोगों ने फागो का आयोजन किया फाग व राही न्रत्य पर आमजन जमकर नाचे लोगों ने अपनी पुरानी बुराइयों को भूल कर एक नई शुरुआत करते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी

बच्चो के साथ बड़े भी होली के रंग में डूबे-

होली के पर्व में बच्चों के साथ बड़े भी होली की मस्ती में डूबे दिखाई दिए। बच्चों ने हाथो में पिचकारी लेकर चेहरे पर मुखौटे लगाकर गांवों की गलियों में घूमते हुए नजर आए उन्होंने बाल्टी में रंग भरकर रख्खा, जिसके बाद गलियों से निकलने वाले लोगो के ऊपर एक के बाद एक रंग और गुलाल डालते रहे। लोगों ने बच्चो को होली की शुभकामनाएं भी दी।

पुलिस प्रशासन गांव-गांव गश्त करता नजर आया

जहां होली का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ शांति पूर्वक मानाया गया। तो वही पुलिस प्रशासन भी लगातार गांव-गांव गश्त कर लोगों को सुरक्षा का अहसास दिला रहा था। बेलखाडू चौकी प्रभारी उमलेश तिवारी ने बताया कि चौकी का स्टाफ गांव-गांव गश्त कर रहा है एवं। पुलिस ने आम नागरिकों से होली का त्योहार भाईचारे व शांति पूर्वक मनाने की अपील की एवं शांतिपूर्वक बेलखाडू क्षेत्र में होली का त्यौहार मनाया गया।

बेतवा एक्सप्रेस के जनरल कोच ट्रॉली बैग में रख कर ला रहा था गांजा

जीआरपी ने किया गिरफ्तार कब्जे से 8 किलो गांजा जप्त

जबलपुर यश भारत। होली त्यौहार के दौरान जीआरपी ने स्टेशन एवं रनिंग ट्रेनों में सुरक्षा की दृष्टि से पैनी नजर रखे हुए हैं इसी तारतम्य में पश्चिम मध्य रेल के सतना जीआरपी को उस समय एक बड़ी सफलता हाथ लगी जब एक यात्री बेतवा एक्सप्रेस के जनरल कोच में ट्राली बैग मैं गांजा लेकर यात्रा कर रहा था जिसे जीआरपी ने अपनी गिरफ्त में लेते हुए उससे लाखों रुपए का गांजा जप्त किया गया / उक्त मामले में सतना जीआरपी प्रभारी श्री त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ट्रेन 18203 बेतवा एक्स. के आगे वाले जनरल कोच में रायपुर तरफ से एक व्यक्ति ट्राली बैग में अवैध रूप से गांजा ले जा रहा है। सूचना वरि अधिकारियों को बताई जाने पर पुलिस अधीक्षक महोदय रेल के आदेश से उप. पुलिस अधीक्षक के निर्देश में सहा, उपनिरी. आर. पी. इवने मय हमराही स्टाफ व साक्षियों के लेकर ट्रेन बेतवा के आगे वाले जनरल कोच को चेक करते समय एक व्यक्ति काले रंग की अटैची लेकर उतरा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया नाम पता पूछने पर रघुनाथ दिवाकर पिता रामदास दिवाकर उम्र 42 वर्ष निवासी सरधुआ थाना सरधुआ जिला चित्रकूट का रहने वाला बताया पूछताछ में पहले आना कानी करता रहा बाद में अटैची में गाजां रखे होना बताया जिसे खुलवाकर देखा गया तो ट्राली बैग में पालीथिन की थैली में गांजा तो पाया गया जिसका तौल कराने में 8 किलो 900 ग्राम गांजा होना पाया गया जिसके रखने का लाईसेंस परिमिट पूछने नहीं होना बताया आरोपी का कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट. का पाये जाने से मौके में जप्त किया गया आरोपी को गिरफ्तार कया गया है। आरोपी से पूछताछ करने पर गांजा खड़ियि रोड उड़ीसा से लाना व चित्रकूट बेचने के लिये जाना बताया था आरोपी जहां से गांजा लाया है व जिसको देने जा रहा था उसकी जांच की जा रही है की गई कार्यवाही में सहा. उप निरी. आर. पी. इवने प्र. आर. विनोद गौतम व नरेश कुमार आर. अनुज कुमार आर. धर्मेंद्र गप्ता आर आई बी के उपनिरी. रविशंकर तिवारी व प्र. आर. सत्यनारायण मिश्रा का विशेष सहयोग रहा की गई कार्यवाही पर वरिष्ट अधिकारियों द्वारा प्रसंस्सा की गई।

आज से श्रीधाम, ओवर नाइट एवं इंटरसिटी ट्रेनों के ठहराव बढ़े

जबलपुर यशभारत। यात्रियों की सुविधा एवं आमजनता की मांग पर रेल मंत्रालय द्वारा जबलपुर मंडल से प्रारंभ होने वाली तीन जोडी यात्री गाडियों को मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है । इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन ने बताया कि आज 10 मार्च से निम्न ठहराव प्रारंभ किए जा रहे हैं। जिसके तहत श्रीधाम एक्सप्रेस गाडी संख्या 12192/12191 का सोहगपुर स्टेशन पर, ओवर नाइट गाडी संख्या 22192/22191 जबलपुर-इंदौर-जबलपुर, का करेली स्टेशन पर, एवं इंटरसिटी गाडी संख्या 11651/11652 जबलपुर-सिंगरौली-जबलपुर का जोबा एवं गजरा बेहरा स्टेशन पर प्रायोगिक तौर पर दोनो दिशाओं में ठहराव प्रदान किया गया है/

महिला दिवस पर रेलवे में सेल्फ डिफेंस पर वर्कशाप आयोजित

जबलपुर यशभारत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य मे रेलवे के उमंग सामुदायिक भवन में वाद विवाद प्रतियोगिता तथा महिलाओं के सेल्फ डिफेंस पर वर्कशॉप आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील , विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला कल्याण संगठन जबलपुर की अध्यक्ष श्रीमती गुरमीत कौर,वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी , सुबोध विश्वकर्मा , अरविंद पांडेय,सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) एवं अन्य विभागों के शाखा अधिकारी उपस्थित थे।महिला कर्मचारियों ने वाद विवाद प्रतियोगिता और सेल्फ डिफेंस के वर्कशॉप में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।

प्रीं नॉन/नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कुछ गाडियाँ पूर्ण/आंशिक निरस्त एवं मार्गपरिवर्तन

जबलपुर यशभारत। रेल प्रशासन द्वारा जबलपुर मण्डल के कटनी-सिंगरौली खंड पर दोहरीकरण कार्य के चलते निवास रोड, भरसेंडी, सुरसराईघाट झारा एवं सरई ग्राम स्टेशनों पर 13 मार्च से 19 मार्च 2023 तक प्री नॉन इंटरलॉकिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है। इस कार्य के चलते इस मार्ग से होकर जाने कई रेलगाडियों को अपने प्रारम्भिक स्टेशन से पूर्ण/आंशिक निरस्त एवं कई के मार्ग में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के पूर्ण होने के बाद गाडियों की समयबद्धता में सुधार होगा, रेलगाडियों की गति में वृद्धि होगी, परिणामस्वरुप रेल यात्रियों का समय बचेगा।

कलेक्टर -पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को रंग गुलाल लगाकर जमकर खेली होली

जबलपुर, यशभारत। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा के मार्गदर्शन में पुलिस लाईन में गुरुवार को दोपहर 12 बजे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह में कलेक्टर जबलपुर सौरभ कुमार सुमन तथा पुलिस अधीक्षक श्री बहुगुणा सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति प्रियंका शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा आशीष खरे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध श्री समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवेश सिंह बघेल, नगर पुलिस अधीक्षक कैंट शशांक ,नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल श्रीमति प्रियंका, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली प्रभात शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक ओमती आर.डी. भारद्वाज, नगर पुलिस अधीक्षक रांझी देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर अखिलेश गौर, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तुषार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमति अपूर्वा किलेदार, उप पुलिस अधीक्षक यातायात मधुकर चौकीकर, उप पुलिस अधीक्षक अपराध सुशील चौहान, तथा रक्षित निरीक्षक सौरभ तिवारी द्वारा शहर/देहात के समस्त थाना प्रभारियों एवं कर्मचारियों के साथ रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई देते हुये होली खेली गयी। वहीं शहर एवं देहात के समस्त थानों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा होली खेली गयी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

नश्वर काया शोध में आए काम, संकल्प हमारा देह का दान

जबलपुर, यशभारत। महिलाएं आज की तारीख में हर क्षेत्र में बुलंदी पर हैं। गांव, कस्बा या फिर शहर हो, हर जगह नारी पुरुषों के बराबर तो कहीं एक कदम आगे ही खड़ी नजर आ रही है। कहीं संघर्ष कर अपने घर को चला रही है तो कहीं गांव की प्रधानी कर पूरे गांव की जिम्मेदारी अपने कंधों पर लिए हुए है। इतना ही नहीं आज श्रीमती प्रतिनिष्ठा द्विवेदी और श्रीमती प्रीति तिवारी ने देहदान कर समाज सेवा के क्षेत्र में भी वह कर दिखाया, जिसे सिर्फ सोचा ही जा सकता है, करना हर किसी के वश की बात नहीं है। इन साहसी महिलाओ ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभ संध्या पर दोनों महिलाओ ने कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन के समक्ष अपना अपना देहदान संकल्प पत्र भराकर समाज में अपनी जगह बनाते हुए दूसरों के लिए भी प्रेरणा का काम कर रही है।

वादा तेरा वादा

10वर्ष पहले सी एम ने की थी घोषणा सबसे पहले मेट्रो जबलपुर में चलेगी

रेल मंत्री से मेट्रो ट्रेन एवं खमरिया से भेड़ाघाट तक लोकल ट्रेन चलाने की मांग

जबलपुर यशभारत। जब भी चुनाव आता है सभी दल सबसे पहले यही कहते हैं कि हम जबलपुर के साथ अन्याय नहीं होने देंगे जबलपुर को उसका हक दिला कर रहेंगे।लेकिन चुनाव होने के बाद उन वादों आश्वासनों की आवाज धूमिल होते होते अनंत में विलीन हो जाती है।

कभी किसी ने उन वादो , आश्वासनों की याद दिलाने की कोशिश की तो तब तक फिर वादे आश्वासन नये कलेवर और फ्लेवर में परोसे जाने लगते हैं और मामला ढाक के तीन पात जैसा हो जाता है।भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के अध्यक्ष आर एस तिवारी ने विगत दिनों पत्र लिखकर रेल मंत्री एवं रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से मांग की है कि जबलपुर में मेट्रो ट्रेन चलाने के साथ खमरिया से भेड़ाघाट विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल तक लोकल ट्रेन चलाई जाए।उन्होंने कहा कि जबलपुर मध्य प्रदेश के महानगरों में गिना जाता है भोपाल में मेट्रो ट्रेन चलाने का काम प्रगति पर है ।जबलपुर मेट्रो ट्रेन चलाने के मामले में बहुत पीछे छूट गया है।अभी जबलपुर में मेट्रो ट्रेन का प्रस्ताव एवं सर्वेक्षण भी नहीं हुआ है। इसी प्रकार खमरिया से विश्व स्तरीय भेड़ाघाट तक लोकल ट्रेन चलाई जाए।। लोकल ट्रेन चलने से विश्व स्तरीय पर्यटक स्थल तक आने जाने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी जिससे पर्यटकों में भी बढ़ोतरी होगी दूसरा यह कि लोकल ट्रेन चलने से शहर की स?कों पर दबाव कम होगा और दुर्घटनाएं भी कम होगी। इसी तरह मेट्रो ट्रेन चलने से भी सड़कों पर दबाव कम होगा और इन ट्रेनों के चलने से परिवहन में सहजता और सुरक्षा उपलब्ध होगी ।आम नागरिकों को किराए में भी किफायत होगी।जबलपुर में मेट्रो ट्रेन चलाने एवं खमरिया से भेड़ाघाट तक लोकल ट्रेन चलाने से जबलपुर स्मार्ट सिटी की बड़ी उपलब्धि होगी ।शहर की प्रगति के साथ-साथ हर तरफ शहर सुंदर होगा जिसके लिए सभी राजनीतिक दलों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है ।भोपाल इंदौर के साथ-साथ अब ग्वालियर उज्जैन भी जबलपुर से आगे निकलने के प्रयासरत हैं ।जबलपुर प्रगति में बहुत पीछे है जबलपुर बड़ी उपलब्धियों के पीछे होने के कारण यहां का राजनीतिक रुतबा भी कम होता दिखाई पड़ रहा है भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन के अध्यक्ष आर एस तिवारी ने सभी राजनीतिक दलों सामाजिक संस्थाओं से अनुरोध किया है कि वह मेट्रो और लोकल दोनों ट्रेनों को चलाने के लिए संयुक्त प्रयास करें ताकि जबलपुर मध्य प्रदेश में विकास के अगले पायदान पर कदम रख सके।

पेड़ से लटक कर युवक ने की खुदकुशी

जबलपुर यश भारत। गोसलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक 20 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की पड़ताल शुरू कर दी है इस घटना के संबंध में गोसलपुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खमरिया ग्राम का रहने वाला 20 वर्षीय देवराज मिश्रा पिता संतोष मिश्रा बीती रात अपने घर से निकला हुआ था जो रात भर घर नहीं पहुंचा परिजनों द्वारा उसकी तलाश की गई तो आज सुबह गांव के ही बगीचा मैं लगे बिही के पेड़ में लटका हुआ मिला इस घटना की खबर जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो कुछ ही देर में मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है/

पनागर के युवक की ट्रेन से कटकर मौत

मोबाइल की घंटी बजने के बाद हुई पहचान

जबलपुर यश भारत। आज सुबह मदन महल रेलवे स्टेशन में उस समय हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई जब लोगों ने एक 30 वर्षीय युवक को रेलवे लाइन के पास मृत पड़ा हुआ देखा उक्त घटना की जानकारी जैसे ही अन्य लोगों को लगी तो कुछ ही देर में घटनास्थल पर काफी भीड़ जमा हो गई मौजूद लोगों द्वारा इस घटना की सूचना मदनलाल डिप्टी एसएस को दी गई जिसके बाद जीआरपी मौके पर पहुंची और प्रारंभिक कार्रवाई के उपरांत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रवाना करते हुए घटना की पड़ताल शुरू कर दी है। इस घटना के संबंध में मदन महल जीआरपी ने जानकारी देते हुए बताया कि पनागर थाना के अंतर्गत विलगवा निवासी 30 वर्षीय अभय राजभर पिता घनश्याम प्रसाद राजभर आज सुबह मदन महल रेलवे स्टेशन से रेलवे लाइन पार कर रहा था इसी दौरान इटारसी से जबलपुर की ओर जा रही अज्ञात ट्रेन से टकरा गया इस घटना में युवक के शरीर में गंभीर रूप से चोट आने के कारण उसकी मौत हो गई जीआरपी ने बताया कि मृतक के पास एक मोबाइल था जिसकी जांच के दौरान घंटी बजी और इस घटना की सूचना संबंधित को दी गई जिसके बाद मृतक की पहचान पनागर के विलगवा निवासी अभय राजभर के रूप में हुई पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

टॉयलेट गई नाबालिग से युवकों ने की छेड़खानी

जबलपुर यश भारत। मझगवा थाना क्षेत्र में तीनों को ने एक 16 वर्षीय नाबालिग के साथ बुरी नियत से उस समय छेड़खानी कर दी जब गांव के बाहर टॉयलेट के लिए गई हुई थी पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस ने बताया कि समिति ग्राम छनगवा निवासी एक 16 वर्षीय नाबालिक गत शाम को टॉयलेट गई हुई थी इसी दौरान ग्राम के ही रहने वाले 3 मनचले युवक उसका पीछा करते हुए मौके पर पहुंचे और नाबालिक के साथ बेइज्जत करने की नियत से अश्लील हरकतें करने लगे नाबालिक किसी तरह से मनचलों से पीछा छुड़ाकर घर पहुंची और परिजनों को इस घटना की जानकारी दी जिसके बाद परिजन थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया/

महापौर आजाद कप क्रिकेट प्रतियोगिता का सेमीफाइनल आज

जबलपुर, यशभारत। महापौर जगत बहादुर सिंहज्जअन्नू भैयाज्ज एवं आजाद ग्रुप के सयुंक्त तत्वावधान में शिवाजी मैदान, सदर में 01 मार्च से आयोजित महापौर आजाद कप टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में 2 हिस्सो में 56 टीमों ने हिस्सा लिया जिसके क्वार्टर फाइनल मैच में कैंट लॉयन्स, मन्नत,मीजान, यंग हीरोज ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। आज पहला सेमीफाइनल कैंट लॉयन्स बनाम यंग हीरोज एवं मीजान बनाम मन्नत के बीच खेला जाएगा
आ?ाद ग्रुप से एड.महेश सोनी,एड.अतुल पटेल,एड.जितेंद्र पटेल, राजेंद्र रजक. (कल्लू) एड.देवेंद्र काछी, एड.गुरु कुशवाहा एड.संदीप माली,शरद मालवीय डॉक्टर विश्वनाथ,मन्नू,रोशन विश्वकर्मा, अंकित रैकवार कार्तिक आदि उपस्थित रहे ।एम्पायर की भूमिका गोलू दीवान , अनुज मरकाम एवं* *निक्की ने निभाई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में वॉकथन को रेलवे महाप्रबंधक ने दिखाई हरी झण्डी

जबलपुर यशभारत। अंतर्राष्टीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में पश्चिम मध्य रेल के तीनों जबलपुर सहित तीनों मण्डलों पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में विभन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी कडी में पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय पर पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ के तत्वावधान में वॉकथन का आयोजन पमरे महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता एवं अपर महाप्रबंधक शोभन चौधुरी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया गया, जिसमें मुख्यालय में कार्यरत महिला रेल कर्मियों ने ब?-च? कर भाग लिया। यह वॉकथन महाप्रबंधक कार्यालय से प्रारंभ होकर रेलवे स्टेडियम में संपन्न हुई। इसमें जबलपुर मंडल, मुख्यालय के लगभग 60 महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक राजेश पाठक, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक सी वेणु गोपाल, प्रमुख मुख्य इलेक्ट्रिक इंजीनियर डॉ राकेश कुमार गुप्ता, प्रधान वित्त सलाहकार डॉ एन.के.श्रीवास्तव, पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ महासचिव डॉ आशुतोष गर्ग पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ महासचिव, मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक आर.डी. मीना, मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रभात, सचिव महाप्रबंधक राहुल जयपुरियार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं ब?ी संख्या में खिलाडी, रेल कर्मचारी भी उपस्थित थे/ उल्लेखनीय है कि अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस, हर वर्ष, 8 मार्च को विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर मनाया जाता है।

गुजरात जायंट्स को लगा बड़ा झटका पूरे सीजन के लिए बाहर हुई स्टार खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग में अब तक कुल 6 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें से गुजरात जायंट्स की टीम ने कुल तीन मुकाबले खेल लिए हैं। गुजरात जायंट्स को अपने पहले दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं बुधवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें आरसीबी के खिलाफ जीत मिली। इसी बीच गुजरात जायंट्स को एक बड़ा झटका लग गया है। टीम की कप्तान बेथ मूनी काफ इंजरी के कराण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बेथ मूनी इस सीजन के लिए टीम की कप्तान थी। लेकिन उन्हें हुई इंजरी के कारण अब स्नेह राणा को टीम का कप्तान बनाया गया है।

बाहर होने पड़े क्या बोलीं मूनी

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेथ मूनी को सीरीज के पहले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में बल्लेबाजी करते हुए चोट लगी थी। मूनी चार से छह हफ्तों में पूरी तरह से फिट हो सकेंगी। ऐसे में वह यह पूरा सीजन नहीं खेल सकेंगी। मूनी ने कहा कि वह वास्तव में गुजरात जाइंट्स के साथ खेलने के लिए पहले डब्ल्यूपीएल सीजन का इंतजार कर रही थी लेकिन दुर्भाग्य से इंजरी इस खेल का हिस्सा है और वह निराश हैं कि इस सीरीज के बाकी बचे हुए मैचों से बाहर रहेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह बाहर से ही अपने टीम को सपोर्ट करेंगी और अपने खिलाड़ियों का हौसलाअफजाई करेंगी। गुजरात जायंट्स की टीम ने मूनी की कमी को पूरा करने के लिए साउथ अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट को अपने टीम में शामिल किया है। लॉरा वोलवार्ट ने हाल ही में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दमपर अपनी टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम योगदान निभाया था। लॉरा वोलवार्ट ने वर्ल्ड कप में खेले गए छह मुकाबलों में तीन अर्धशतक लगाए थे। इस दौरान वह टॉप स्कोरर भी रही था। ऐसे में उनके टीम में शामिल हो जाने से गुजरात जायंट्स को फायदा मिलेगा। वह अभी भी अच्छी फॉर्म में हैं।

गुजरात के लिए आने वाले मैच बेहद अहम

भारत की स्नेह राणा अब कप्तान होंगी जबकि ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर को उपकप्तान बनाया गया है। गुजरात जाइंट्स का अगला मुकाबला 11 मार्च को डीवाई पाटिल स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से होगा। गुजरात की टीम के लिए टूर्नामेंट में आगे होने वाले सभी मुकाबले काफी ज्यादा अहम होंगे क्योंकि उन्हें अपने पहले दो मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात की टीम पॉइंट्स टेबल पर अभी तीन मैचों में 2 अंकों के साथ चौथे स्थान पर मौजूद है।

अक्षय अटलांटा में लाल लहंगे में डांस करते दिखे

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

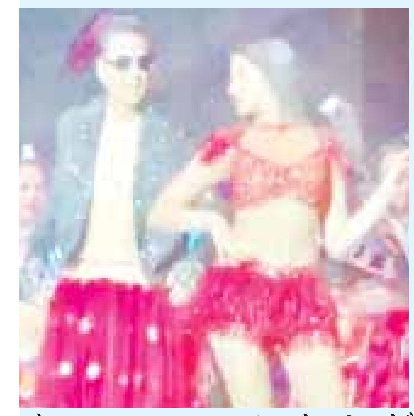

खतरों के खिलाडी यानि अभिनेता अक्षय कुमार अटलांटा में नोरा फतेही के साथ लाल लहंगे में डांस करते दिखाई दिए। एक क्लिप पैपराजी विरल भयानी ने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। अक्षय और नोरा अपने द एंटरटेनर्स टूर के साथ अमेरिका के दौरे पर हैं। वीडियो में अक्षय अपने ब्लैक आउटफिट के ऊपर लाल घाघरा पहनकर डांस करते हुए दिख रहे हैं। वहीं नोरा फतेही शॉर्ट रेड शिमरी आउटफिट में स्टेज पर नजर आ रही है। इस बीच अक्षय शर्टलेस लुक में अपने एब्स दिखाते हुए शिमरी ब्लैक ब्लेजर और ब्लैक पैंट में के ऊपर पहने लहंगे को निकालते हैं। इसके बाद दोनों उनकी फिल्म सेल्फी के गाने मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी पर डांस करते नजर आ रहे हैं। सेल्फी का निर्देशन राज मेहता ने किया है। फिल्म में इमरान हाशमी, डायना पेंटी और नुसरत भरुचा भी हैं। यह 2019 की मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की रीमेक है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुभमन गिल ने पहना अजीब सा हेलमेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज की चौथा मुकाबला अहमदाबाद में खेला जा रहा है। इस मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 255 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम इस मैच में विकेट लेने के लिए काफी दिक्कते आ रही हैं। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में विकेट हासिल करने के लिए कई तरीके आजमाएं। कुछ में उन्हें सफलता भी मिली। इस दौरान विकेट हासिल करने के लिए रोहित शर्मा ने शुभमन गिल को बल्लेबाज के करीब फील्डिंग पर लगा दिया। शुभमन गिल ने इस दौरान एक अलग तरीके का हेलमेट पहन रखा था। इस हेलमेट में उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दौरान जो हेलमेट पहन रखा था वह आम हेलमेट के मुकाबले पूरी तरह से अलग थी। ऐसा पहली बार नहीं है जब

खिलाड़ियों ने ऐसा हेलमेट पहन रखा हो। ऐसा कई बार हुआ है जब बल्लेबाज के पास फील्डिंग के दौरान खिलाड़ियों ने इस हेलमेट का इस्तेमाल किया हो। इस हेलमेट की ग्रिल काफी ज्यादा अच्छी और खिलाड़ी से चेहरे समेत चेस्ट को भी बचाती है। इस हेलमेट को खिलाड़ी खुद को बल्लेबाज के तेज शॉट से बचाने के लिए पहनते हैं। वहीं भारत को इस साल कई अहम मुकाबले और टूर्नामेंट खेलने हैं। ऐसे में अगर शुभमन गिल बल्लेबाज के तेज शॉट से इंजरी का शिकार हो जाते हैं तो यह टीम इंडिया के लिए काफी ज्यादा नुकसानदेह होगा।

महेंद्र सिंह धोनी को हुक्का पीना है पसंद, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की निजी जिंदगी की जानकारियों का जानने के लिए उनके फैंस हमेशा उत्सुक रहते हैं। हालांकि, महेंद्र सिंह धोनी अपना जीवन काफी सादगी के साथ जीना पसंद करते हैं। क्रिकेट की बात करें तो वो हमेशा युवा खिलाड़ियो को प्रोत्साहित करते रहते हैं। फील्ड के अंदर हो या चाहे फील्ड के बाहर वो हमेशा युवा खिलाड़ों के साथ क्रिकेट से जुड़ी जानकारियों को साझा करते हैं। कहा भी जाता है कि धोनी यारों के यार हैं। उनका घर हमेशा देस्तों और युवा खिलाड़ियों के लिए खुला रहता है।

धोनी अपने कमरे में हुक्का या शीशा रखते थे- जॉर्ज बेली

चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स में धोनी की कप्तानी में खेलने वाले जॉर्ज बेली ने एक बार खुलासा किया था कि खिलाड़ियों के लिए एक ओपन-डोर नीति थी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से बात करते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने खुलासा किया कि धोनी अपने कमरे में हुक्का या शीशा रखते थे। उन्हें हुक्का पीना पसंद है। वो अपने कमरे के दरावाजे हर किसी के लिए खुले रखते थे। आप अगर उनके कमरे में जाएंगे तो अक्सर आपको वहां कई युवा खिलाड़ी मिलेंगे।

धोनी का हो सकता है यह आखिरी आईपीएल

बता दें कि बेली ने सीएसके के लिए एक सीजन राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स के लिए खेला था। धोनी ने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर से संन्यास लिया था। उनका आईपीएल करियर भी खत्म होने के करीब है। जानकारी के मुताबिक, आईपीएल के 16वें संस्करण में वो आखिरी बार चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। सीएसके 31 मार्च को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने साल 2010, 2011, 2018 और 2021 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बात करें तो उन्होंने साल 2011 में एकदिवसीय और साल 2007 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीताया था।

पेरिस फैशन वीक में मस्तानी दीपिका ने बिखेरा जलावा

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

बॉलीवुड की मस्तानी दीपिका पादुकोण सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपने जलवे बिखेर रही है। इन दिनों दीपिका पेरिस फैशन वीक के लिए पेरिस पहुंची हैं। लुई वुइटन ने दीपिका का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें दीपिका काफी खूबसूरत लग रही हैं। बता दें कि दीपिका लुई वुइटन की ब्रांड एंबेसडर हैं। वीडियो में दीपिका ने ब्लैक लेदर जैकेट, लैसी बॉटम, हाथों में एक स्टाइलिश बैग और लॉन्ग शूज के साथ अपना लुक पूरा किया है। ऑल ब्लैक लुक के साथ दीपिका हर किसी को आकर्षित कर रही हैं। क्लासी लुक के साथ दीपिका ने फैशन वीक पहुंची। लुई वुइटन की इस पोस्ट के बाद फैंस दीपिका की तारीफ करते नहीं थक रहे।इसके अलावा 12 मार्च को लॉस एंजेलिस में होने वाले 95वें एकेडमी अवॉर्ड्स को दीपिका प्रिजेंट करने वाली हैं। ऑस्कर में भारत के लिए यह साल बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाला है क्योंकि एसएस राजमौली की ब्लॉकबास्टर फिल्म आरआर का हिट सॉन्ग नाटू नाटू भी इस बार अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेटेड है।

कुश्ती में चल रही चौधर की लड़ाई इससे पहलवानों को नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष व प्रदेश के पूर्व डीजीपी महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि कुश्ती में चौधर की लड़ाई चल रही है, वहीं इससे देश और पहलवानों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने खेलने से इनकार करने वाले पहलवानों को सलाह दी कि वे अपना कर्म न छोड़ें क्योंकि इससे देश और उन्हें निजी तौर पर नुकसान हो रहा है। मलिक सोमवार को रतनगढ़ रोड पर भारतीय महिला कुश्ती टीम के चीफ कोच रहे पूर्व ओलंपियन कुलदीप सिंह मलिक की कुश्ती अकादमी के शुभारंभ पर पहुंचे थे। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह और पहलवानों के विवाद पर महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि कुश्ती में चौधर की लड़ाई चल रही है। बृजभूषण शरण सिंह को दोबारा अध्यक्ष के चुनाव में हार दिख रही है, इसलिए वे बवाल कर रहे हैं। वहीं प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को भी उन्होंने सलाह देते

हुए कहा कि पहलवान प्रदर्शन के लिए कोई भी रास्ता चुनें लेकिन वे अपना खेल नहीं छोड़ें क्योंकि कुश्ती ही उनका कर्म और वहीं उनका धर्म। इससे देश और निजी तौर पर पहलवानों को ही नुकसान हो रहा है। इस दौरान प्रीतम सिवाच, ओमप्रकाश दहिया, रामबीर खोखर, राजसिंह छिक्कारा, सरिता मोर, सोनम मलिक, जगबीर सिंह, दिलबाग खत्री समेत भारी संख्या में अंतरराष्ट्रीय पहलवान मौजूद रहे।

भारत में पिचों को लेकर हाय-तौबा समझ से परे : कास्प्रोविच

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व तेज गेंदबाज माइकल कास्प्रोविच का मानना है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारत में पिचो को लेकर मची हाय-तौबा (हाइप) समझ से परे है क्योंकि वे विशुद्ध भारतीय विकेट हैं और आस्ट्रेलिया को उनके अनुरूप ढलना होगा। भारत में 29 साल के अंतराल पर आस्ट्रेलिया की पहली जीत (1998) के शिल्पकारों में रहे कास्प्रोविच ने 'द ऐज से कहा, 'मुझे पिच को लेकर यह हाय-तौबा समझ में नहीं आ रही । ये पारंपरिक भारतीय विकेट हैं और पता नहीं इन्हें लेकर इतना हल्ला क्यो हो रहा है । भारत में इकलौती टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम (2004) का हिस्सा रहे इस पूर्व खिलाड़ी कहा, 'इंदौर टेस्ट में विकेट ज्यादा टर्न ले रहा था लेकिन मैच सुबह जल्दी शुरू होने से शायद थोड़ी नमी रही हो। दिन में बाकी समय उतना टर्न नहीं मिल रहा था। भारत ने नागपुर और दिल्ली टेस्ट जीते लेकिन इंदौर में आस्ट्रेलिया ने जीत दर्ज की। पहले दो टेस्ट की पिचों को आईसीसी ने 'औसत करार दिया जबकि इंदौर की पिच को 'खराब कहा। पूर्व कप्तान मार्क टेलर और मार्क वॉ समेत कई पूर्व खिलाड़ियों ने इंदौर की पिच की निंदा की। कास्प्रोविच ने कहा, 'मुझे 1998 का बेंगलुरू टेस्ट याद है जहां सूखी पिच दिख रही थी। उस पर कोई घास नहीं थी लेकिन दरारें थी। आपको हालात से सामंजस्य बिठाना होता है। आखिर यह टेस्ट क्रिकेट है। चौथा टेस्ट नौ मार्च से अहमदाबाद में खेला जायेगा।

बीसीसीआई को बुमराह के विश्वकप से पहले फिट होने की उम्मीद

मुम्बई (ईएमएस)। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी पीठ की सर्जरी करायी है। इस कारण उन्हें करीब छह माह तक खेल से दूर रहना होगा। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई को उम्मीद है कि बुमराह अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप तक फिट हो जाएंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार बुमराह अगस्त तक सर्जरी से उबर जाएंगे और ऐसे में वह विश्वकप के लिए अभ्यास शुरू कर सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) भी चाहता है कि बुमराह की वापसी तभी हो जब वह पूरी तरह गेंदबाजी करने के लिए फिट हों। एनसीए के मेडिकल स्टाफ की सलाह के बाद ही बीसीसीआई ने बुमराह को सर्जरी करायी है। एकदिवसीय विश्व कप का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में भारतीय धरती पर ही होना है। इससे पहले भारत 50 ओवर के प्रारूप में आयोजित होने वाले एशिया कप में भी हिस्सा लेगा। बुमराह सितंबर 2022 में ही पीठ में स्ट्रेस फैक्चर के कारण बाहर हो गये थे। इसी कारण वह एशिया कप 2022 और टी20 विश्व कप में भी भाग नहीं ले पाये। अब सर्जरी के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से भी बाहर हो गये हैं। बुमराह नवंबर 2022 से ही एनसीए में रिहैब से गुजर रहे थे। उन्होंने दिसंबर में गेंदबाजी करना शुरू कर दिया था। इसी कारण चयनकर्ताओं ने उन्हें श्रीलंका के खिलाफ जनवरी में खेली गयी सीमित ओवर श्रृंखला के लिये टीम में शामिल किया था।

अजय की फिल्म 'भोला' का कर रहे इंतजार

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

बालीवुड फिल्म 'दृश्यम 2' के बाद से ही लोग एक्टर अजय देवगन की फिल्म 'भोला' का इंतजार कर रहे हैं। अजय ने एक्शन से भरपूर 'भोला' का ट्रेलर रिलीज किया है। शिवभक्त अजय का स्टाइल पूरे ट्रेलर में खास है।इसके अलावा अमाला पॉल और तब्बू भी इम्प्रेस कर रही हैं। फिल्म के ट्रेलर में दमदार एक्शन और धूआधांर डायलॉग सुनाई दे रहे हैं।फिल्म पूरी तरह से मसाला मूवी दिख रही है, जिसमें एक्शन, रोमांच, ड्रामा और इमोशनल एंगल है।फिल्म में अपनी बेटी के लिए अजय एक मिशन पर तब्बू की मदद करते हैं और इसी के इर्द-गिर्द पूरी कहानी अलग-अलग मोड़ लेती है।फिल्म में एक बार फिर तब्बू और अजय की तकरार नजर आ रही है।इससे पहले दोनों सितारे फिल्म 'दृश्यम 2' में अपना जलवा बिखेर चुके हैं।दोनों की कैमिस्ट्री पर्दे पर पसंद की जाती है।दोनों के डायलॉग भी इम्प्रेसिव लग रहे हैं।इसके अलावा दीपक डोबरियाल का अलग अंदाज सबकी नजरें अपनी तरफ खींच रहा है। मालूम हो किअजय देवगन की फिल्मों का अंदाज बीते कुछ समय से दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि उनकी ज्यादातर फिल्मे सफल साबित हो रही है।

फिटनेस के लिए जिम में जमकर पसीना बहाते थे एक्टर, फैंस बोले- बहुत याद आओगे पप्पू पेजर

मुंबई, ईएमएस। बॉलीवुड के जाने माने एक्टर और डायरेक्टर सतीश कौशिक का कल यानी 9 मार्च को निधन हो गया।66 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली।सतीश के भतीजे निशांत कौशिक ने बताया कि उनका निधन हार्ट अटैक से हुआ है।दिल्ली में फैमिली फंक्शन में शामिल होने के बाद रात में उनकी तबीयत बिगड़ गई थी।परिवार उन्हें अस्पताल ले गया था, जहां उन्हें डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।उनके निधन की जानकारी एक्टर अनुपम खेर ने ट्वीट कर दी।इसी बीच उनका एक वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह एक्सरसाइज करते हुए नजर आए।सतीश कौशिक अक्सर अपने वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते रहते हैं।इस वीडियो में वह 66 साल की उम्र में भी वह जिम में कड़ी मेहनत करते दिख रहे हैं।उनके दोस्तों से मिली जानकारी के मुताबिक वह अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखते थे और रोज सुबह मॉर्निंग वॉक भी करते थे।वीडियो के सामने आते ही हर कोई इस बात से हैरान हो रहा है कि आखिर कैसे खुद को फिट रखने के लिए इतनी मेहनत करने वाले सतीश को हार्ट अटैक कैसे आ सकता है।

अंतिम यात्रा में शामिल हुए कई स्टार्स

सतीश कौशिश की अंतिम यात्रा में कई सेलेब्स उनके घर पहुंचे थे,जिसमें जॉनी लीवर, अर्जुन कपूर, राकेश रौशन, रणबीर कपूर, बोनी कपूर, अनुपम खेर से लेकर राज बब्बर तक तमाम सेलेब्स उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

नीना गुप्ता ने वीडियो शेयर कर जताया दुख

सतीश कौशिक के अचानक निधन से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। सोशल मीडिया के जरिए सेलेब्स और फैंस सतीश को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इसी बीच नीना गुप्ता ने भी एक वीडियो शेयर कर उन्हें याद किया। इस वीडियो में नीना कहती हैं, च्फ्रेंड्स आज सुबह-सुबह एक बहुत बुरी खबर के साथ मैं उठी हूं। इस दुनिया में एक ही आदमी था जो मुझे नैन्सी कहकर बुलाता था और मैं उसे च्कौशिकनज कहकर बुलाती थी। बहुत पुराना साथ था हमारा, दिल्ली में कॉलेज के दिनों से। बहुत बुरा हुआ, उसकी छोटी बच्ची वंशिका, उसकी वाइफ शशि उनके लिए बहुत मुश्किल समय है और अगर कुछ भी उनको चाहिए, तो मैं हमेशा उनके साथ रहूंगी।

तू झूठी मैं मक्कार का प्रमोशन जोर-शोर से

■ नई दिल्ली, ईएमएस।

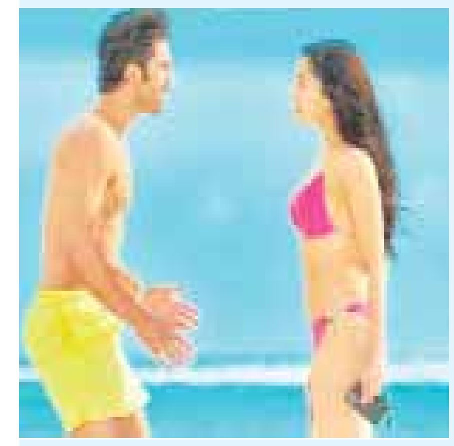

फिल्म झूठी मैं मक्कार का प्रमोशन जोरो शोरों में हो रहा है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर प्रमुख भूमिका में है। सबकी पसंदीदा झूठी श्रद्धा आज राजस्थान की पिंक सिटी जयपुर में अपनी फिल्म का प्रचार करती दिखाई दी। वैसे इससे पहले श्रद्धा पुणे, इंदौर और अहमदाबाद में भी फिल्म का जोरदार प्रोमोशन करती नजर आ चुकी हैं। बता दें, तू झूठी मै मक्कार में रणबीर और श्रद्धा पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। फिल्म के प्रोमो से लेकर अब तक रिलीज हुए फिल्म के बाकी गानों ने भी लोगों पर अपना खूब जादू चलाया है। हाल ही में जारी फिल्म का शो मी द ठुमका पर फैन्स अपनी रील्स शेयर कर रहे है। ऐसे में अब बस किसी चीज का इंतजार है तो वह है तू झूठी मैं मक्कार लव रंजन द्वारा निर्देशित हैं।

केंट बोर्ड चुनाव

विधायक रोहाणी का दावा आठों सीट जीतेंगे, पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा- रचेंगे इतिहास

जबलपुर, यश भारत। केन्टोन्मेंट बोर्ड में 8 वार्डों के होने वाले चुनाव में अभी करीब एक माह है और केंट में चुनावी गहमा-गहमी अभी से शुरू हो गई है। जहां एक ओर केंट विधायक अशोक रोहाणी ने यशभारत से चर्चा के दौरान दावा किया है कि भारतीय जनता पार्टी केंट की सभी 8 सीटों को मतदाताओं के विश्वास के साथ जीतेगी तो वहीं दूसरी तरफ केंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष रह चुके कांग्रेस के अभिषेक चिंटू चौकसे ने 2023 केंट बोर्ड चुनाव में क्षेत्र के रहवासियों के प्यार और सहयोग से इतिहास रचने की बात कही है।

चुनावों को लेकर अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो चुका है। लेकिन अब मतदाताओं की रूचि किस ओर झुकेगी ये तो मतदान के परिणाम के दिन ही सामने आएगी। मालूम हो कि केंट क्षेत्र के 8 वार्डों में पहले करीब 50 हजार मतदाता थे लेकिन अब उनकी संख्या करीब 22 हजार के आसपास है। अप्रैल माह में इन्हीं 8 वार्डों में 22 हजार मतदाता एक बार फिर से अपने मत का अधिकार करके किसी एक पार्टी को ताज पहनाएंगे।

भाजपा के राज में लगातार बढ़ा है टैक्स : अभिषेक चौकसे

केंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष अभिषेक चिंटू चौकसे के अनुसार सेक्शन 28 के तहत यदि केंट बोर्ड के क्षेत्र में कोई 6 माह या 1 साल तक निवास कर लेता है तो फिर उसे केंट बोर्ड चुनाव में मतदान करने का अधिकार होता है। लेकिन यहां तो छावनी मंडल में हजारों की संख्या में मतदाता पीढ़ियों से रह रहे हैं। तो फिर सेक्शन 28 नियम के तहत उन्हें कैसे वोट देने से वंचित किया जा सकता है। अभिषेक चिंटू चौकसे ने बताया कि केंट बोर्ड में जब तक कांग्रेस का दौर था तब एरियर्स उन्होनें माफ कराया है और टैक्स को कभी बढ़ने नहीं दिया है। और केंट क्षेत्र में विधायक रोहाणी ने कोई काम नहीं किया है। चौकसे के अनुसार केंट बोर्ड में भाजपा के सदस्य होने से टैक्स भी बढ़ा है और एरियर्स भी माफ नहीं कराया गया है। पूर्व उपाध्यक्ष के अनुसार केंट के बगीचा बंगलों व आसपास के 25 हजार मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए न्याय अगर नहीं मिला तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। अतिक्रमण का हवाला देकर मतदाताओं को हटाने का काम केंट बोर्ड में भाजपा ने किया है। इन्होनें यह भी बताया कि बगीचों बंगलों में सरकार ने ही रहवासियों को रहने के लिए पहले लीज दे रखी थी।

चुनाव आने लगे तो करने लगे पाखंड: विधायक अशोक

केंट के भाजपा विधायक अशोक रोहाणी ने केंट कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष से ही सवाल करते हुए आरोप लगाया है कि जब वर्ष 2017 में केंट बोर्ड में कांग्रेस का राज और अधिकार था, तब उन्होनें केंट बोर्ड के बगीचा बंगलों सहित आसपास के एरिया में रहने वाले 25 हजार मतदाताओं के नाम काटने पर आपत्ति क्यों नहीं लगाई थी। विधायक के अनुसार केंट बोर्ड चुनाव आने वाले हैं। क्षेत्र के सभी मतदाताओं का प्यार भाजपा के साथ है और क्षेत्र की जनता से विकास कार्यों को भी सराहा है। विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि मतदाताओं के नाम जुड़वाने की बात पर केंट कांग्रेस द्वारा प्रदर्शन करना जनता के सामने एक पाखंड है। जनता के विश्वास, प्यार से हम लोग सभी 8 वार्डों पर चुनाव जीतेंगे, यह विश्वास विधायक अशोक रोहाणी ने जताया है।

लाखों खर्च के बाद भी बायो मैट्रिक से हाजिरी बंद

ड्रेस कोड भूल गए कर्मचारी

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम में कर्मचारियों के लिए लागू ड्रेस कोड पूरी कोविड में बंद हुई थी हाजिरी तरह बंद हो चुका है। पिछले आठ साल से कर्मियों को ड्रेस सिलाने के लिए कपड़ा ही नहीं मिला। यही वजह है कि फिर रंग-बिरंगे कपड़े में कर्मचारी नजर आने लगे हैं। वहीं लाखों रुपये खर्च कर हाजिरी के लिए लगाई गई बायोमेट्रिक मशीन भी शो-पीस बन गई हैं। पिछले तीन साल से रजिस्टर में हाज़िरी लगने के कारण कर्मचारी अपनी मनमर्जी के समय से आ-जा रहे हैं। नगर निगम की बिगड़ैल व्यवस्था को सुधारने की जितनी भी कोशिश होती है वह साल दो साल बाद ही फिर बिगड़ जाती है। कुछ ऐसी ही व्यवस्था के तहत यहां के कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था। करीब 5 साल तक तो यह व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रही लेकिन उसके बाद निगम प्रशासन अधिकारी कर्मचारियों को ड्रेस का कपड़ा देना ही भूल गया। पिछले आठ सालों से कर्मचारी रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर नौकरी पर आ रहे हैं। हालांकि यह नियम सफाई कर्मियों में अभी भी लागू है जिन्हें तय रंग की ही जैकेट पहनना पड़ता है। कुछ इसी तरह हाजिरी के लिए नगर निगम मुख्यालय में तीन जगह और सभी जोनों में बायोमेट्रिक मशीनें लगाई गई थीं। इन मशीनों में दर्ज हाजिरी के आधार पर ही कर्मचारियों का मासिक वेतन निर्धारित होता रहा लेकिन कोविड के चलते व्यवस्था पूरी तरह बंद हो चुकी है। अब कर्मचारी विभागों में ही अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

दो साल में एक बार मिलता था कपड़ा

ड्रेस कोड लागू रहे इसके लिए अधिकारी-कर्मचारियों को दो साल में एक बार दो जोड़ी कपड़े देने का निर्णय लिया गया था। यह कपड़ा नगर निगम अपने खर्चे से देता था। इन्हें सिलवाने की जिम्मेदारी जरूर अधिकारी-कर्मचारियों की होती थी। सभी अपने-अपने हिसाब से ड्रेस सिलवाते रहे। चूंकि एक ड्रेस लगातार सप्ताह के पांच दिन तक पहनना मुश्किल था इसलिए निगम प्रशासन ने दो जोड़ी कपड़े देने का निर्णय लिया था।

मनमर्जी से आ-जा रहे कर्मचारी

बायोमेट्रिक मशीन के लगते ही नगर निगम के कर्मचारियों की उपस्थिति और आने-जाने का समय सुधर गया था। सभी निश्चित समय पर कार्यालय पहुंचने लगे थे लेकिन कोरोना काल में जैसी ही बायोमेट्रिक मशीनों में हाजिरी लगना बंद हुई उपस्थिति की पूरी व्यवस्था ही चरमरा गई। अब तो स्थिति यह है कि कर्मचारी अपनी मर्जी से कार्यालय में आते और जाते हैं। विभागों में उपस्थिति के लिए कर्मचारियों पर कोई पाबंदी नहीं रह गई ।

गोराबाजार और माढ़ोताल में वृद्ध और युवक की नृशंस हत्या

सुरक्षा गार्ड और मजदूर की चाकुओं से गोदकर हत्या

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर के गोराबाजार और माढोताल में हत्या की वारदाते सामने आने के बाद शहर में हड़कंप की स्थिति है। माढ़ोताल में जहां दोस्तों ने ही दोस्त को चाकुओं से गोदकर मौत के घाट उतार दिया ,वहीं गोराबाजार के स्पोर्ट्स क्लब के पास 65 साल के सुरक्षा गार्ड का रक्त रंजिश शव बरामद किया गया। इसके पहले थाना माढोताल और बेलखेड़ा में हत्या की दो वारदातें हो चुकी है। मुस्तैद पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

गोराबाजार थाना अंतर्गत स्पोर्ट्स क्लब के पास गार्ड की नौकरी करने वाले एक वृद्ध की टीन शेड के नीचे रक्तरंजिश लाश बरामद की गई है। आसपास के लोगों ने जैसे ही शव को देखा तो चौक पड़े। जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। जिसके बाद मौके पर थाना प्रभारी विजय परस्ते, एफएसएल टीम पहुंची है। जो मामले की बारीकी से पड़ताल कर रही है। जानकारी अनुसार गोराबाजार थाना प्रभारी विजय परस्ते ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि गुलाब नाथ 65 साल परसवाड़ा थाना बरेला के निवासी थी। संतोष पटैल के प्लाट में टीन शेड का टपरा बना हुआ था। वृद्ध वहीं रहकर गार्ड का काम करते है। उनके साथ में दंपत्ति भी रहते थे। कल शाम को मृतक ने रह रहे दंपत्ति से कहा कि आप लोग जाओ मेरे दोस्त आ रहे है। जिसके बाद दंपत्ति वहां से निकल गए। जब आज दंपत्ति सुबह सब्जी लेने निकले तो देखा कि वृद्ध का खून से सना हुआ शव पड़ा है। जिसके सिर में गंभीर चोट के निशान है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गौरतलब है कि उसके पहले थाना माढोताल अंतर्गत होली की पार्टी के दौरान एक युवक का कत्ल कर दिया गया, तो वहीं थाना बेलखेड़ा अंतर्गत शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है।

एक दिन पहले युवक को चाकुओं से उतारा था मौत के घाट

माढोताल में पुताई करने वाले मजदूर की चाकुओं से गोदकर जघन्य हत्या कर दी गई। इसके पहले एक युवक को भी उसके दोस्तों ने चाकुओं से हमला कर मौत के घाट उतार दिया था। इस दोनों घटनाओं से क्षेत्र में हड़कंप का माहौल है। इधर, पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर, जांच पड़ताल शुरु कर दी है। शुक्रवार की घटना के मामले में एक आरोपी को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। जिससे पूछताछ जारी है।

माढोताल थाना प्रभारी रीना पांडेय शर्मा ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि नांछी उर्फ सौरभ रैकवार 21 साल पुरान बस्ती का निवासी था। जिसका उसके ही दोस्तों से कटंगी रोड श्रीराम डेरी के सामने दीक्षित कॉलोनी के पास झगड़ा हुआ था। जिसमें आरोपियों ने युवक को चाकुओं से गोदकर रोड के किनारे फेंक दिया और चलते बने। जिसके बाद राहगीरों और परिजनों ने युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को अभिरक्षा में लिया है, जिससे पूछताछ जारी है।

सूने मकान का टूटा ताला

जेवरात,नगदी लेकर चोर हुए रफूचक्कर

जबलपुर, यशभारत। रांझी थाना अंतर्गत एक सूने मकान का ताला तोड़कर चोर हजारों रुपये के जेवरात और नगदी लेकर रफूचक्कर हो गए। जब पीड़िता अपने मायके पहुंची तो देखा कि ताला एक किनारे टूटा हुआ पड़ा था और गहने, नगदी गायब थे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

जानकारी अनुसार 40 वर्षीय महिला निवासी सरकारी अस्पताल के पीछे केवीनगर बरगी ने बताया कि उसका मायका बड़ा पत्थर रांझी में है जहां उसका भाई उमेश प्रधान रहता है जब वह मायके आयी तो गेट का ताला खोलकर अंदर जाकर देखी । जहां मां के कमरे की चिटकनी लगी थी जिसे खोलकर अंदर गयी तो देखा कि गेट का ताला सोफे पर रखा था उसने जहां अपने जेवर दीवान पलंग में रखे थे वह खुला पड़ा था उसने पेटी को बाहर निकालकर देखी तो ताला टूटा था स्टील के डिब्बे और जेवर के बाक्स में रखे जेवर गायब थे । कोई अज्ञात चोर मकान के दरवाजे का ताला तोड़कर मकान के अंदर घुसकर सोने चांदी जेवर चोरी कर ले गया है।

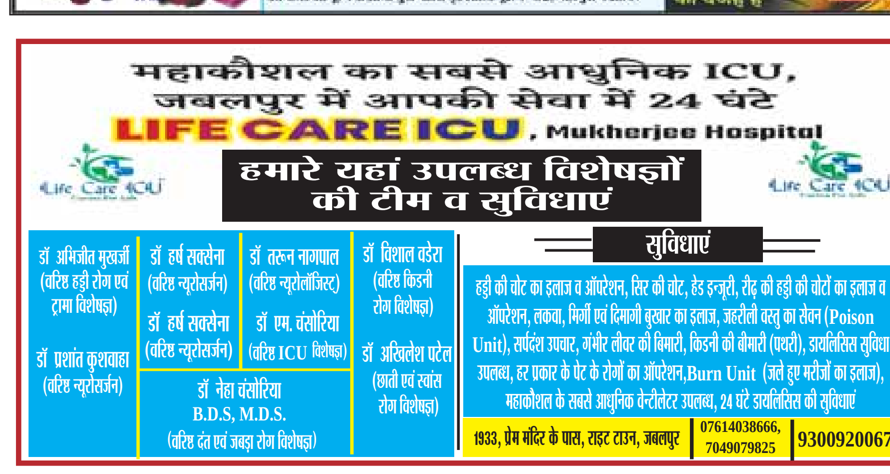

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स जबलपुर, 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*।
फोन (0761) 2643333। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. Email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)